जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:281 दिनांक: 22-09-2024 रविवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपनी तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा पर रवाना हो गए हैं। इस यात्रा के दौरान वे वार्षिक 'क्वाड' शिखर बैठक में शामिल होंगे और संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'समिट ऑफ द फ्यूचर' को संबोधित करेंगे।

आतिशी ने शनिवार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। आतिशी शपथ ग्रहण समारोह में नीली साड़ी पहनकर पहुंचीं। अक्सर केजरीवाल नीली शर्ट में नजर आते हैं। केजरीवाल के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

बीजेपी फैला रही है झूठः राहुल गांधी ने अमेरिका में सिख धर्म पर दिए बयान पर दी सफाई

नई दिल्ली(ईएमएस)। राहुल गांधी के अमेरिका दौरे को लेकर बीजेपी लगातार उन पर हमला बोल रही है. बीजेपी का आरोप है कि राहुल गांधी ने आरक्षण और सिखों को लेकर विवादित बयान दिया है. अब इस मुद्दे पर पहली बार राहुल गांधी ने सफाई दी है. बीजेपी मेरे बयान को लेकर अमेरिका में झूठ फैला रही है.

10 सितंबर को राहुल गांधी ने वाशिंगटन डीसी में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि भारत में इस बात पर लड़ाई चल रही है कि क्या सिखों को पगड़ी या चूड़ियाँ पहनने की अनुमति दी जाएगी या क्या सिखों को गुरुद्वारों में जाने की अनुमति दी जाएगी। और ये सभी धर्मों के लिए है.

राहुल गांधी के बयान को लेकर बीजेपी लगातार कांग्रेस पर निशाना साध रही है. बीजेपी का कहना है कि कांग्रेस सांसद ने सिखों का अपमान किया है. इतना ही नहीं केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राहुल गांधी को देश का सबसे बड़ा आतंकवादी बताया है. इस पूरे विवाद के बीच राहुल गांधी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर अपने 10 सितंबर के भाषण का वीडियो अटैच कर बीजेपी पर पलटवार किया है.

कांग्रेस नेता ने इस पोस्ट में लिखा कि अमेरिका में दिए गए बयान को लेकर बीजेपी झूठ फैला रही है. मैं भारत और विदेश में रहने वाले सभी सिख भाइयों और बहनों से पूछना चाहता हूं कि क्या मैंने जो कहा है उसमें कुछ गलत है? क्या भारत को ऐसा देश नहीं बनना चाहिए जहां हर सिख और हर भारतीय बिना किसी डर के अपने धर्म का पालन कर सके? हमेशा की तरह बीजेपी झूठ का सहारा ले रही है. वे मुझे चुप कराने के लिए बेताब हैं क्योंकि, वे सच्चाई बर्दाश्त नहीं कर सकते। लेकिन मैं हमेशा उन मूल्यों के लिए बोलूंगा जो भारत को परिभाषित करते हैं। विविधता में ही हममें एकता, समानता और प्रेम है।

भाजपा के ताबूत में आखिरी कील होगा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का परिणाम', सत्यपाल मलिक

मुंबई :जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव देश के राजनीतिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेंगे। सत्यपाल मलिक ने कहा, महाराष्ट्र (विधानसभा चुनावों के बाद) देश को दिशा देगा। पूर्व भाजपा नेता और कई राज्यों के राज्यपाल रहे सत्य पाल मलिक का भाजपा के खिलाफ हमला लगातार जारी है। मुंबई में एक कार्यक्रम को संबोधित करे हुए सत्यपाल मलिक ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव के परिणाम भाजपा के ताबूत में आखिरी कील के रूप में काम करेंगे।

इस कार्यक्रम सत्यपाल मलिक के साथ शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत और समाजवादी पार्टी के अबू आजमी समेत कई प्रमुख राजनीतिक दलों के नेता शामिल थे। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनाव में देरी के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि विपक्षी दलों से हारने के डर से ऐसा किया जा रहा है। वहीं सत्यपाल मलिक ने भविष्यवाणी की कि कांग्रेस हरियाणा विधानसभा चुनाव में लगभग 60 सीटें हासिल कर सकती है, जबकि भाजपा को केवल 20 सीटें मिल सकती है। इसके अलावा, सत्यपाल मलिक ने 2019 के पुलवामा आतंकी हमले की व्यापक जांच के लिए अपना आह्वान दोहराया। उन्होंने कहा, मैं पुलवामा हमले की जांच की मांग करता हूं ताकि पता चल सके कि हमारे सैनिक कैसे मारे गए और कौन जिम्मेदार था।

अमेरिका में भारतीय दूतावास में अधिकारी की लाश देख मची अफरा-तफरी

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास में अचानक से उस समय सनसनी मच गई, जबकि दूतावास कैंपस में एक भारतीय अधिकारी की लाश पाई गई। कैंपस में अधिकारी की लाश देख हर कोई सन्न रह गया। अधिकारी की मौत ने सभी को चौंका दिया है, और स्थानीय पुलिस तथा खुफिया एजेंसियां उनकी मौत के कारणों की जांच में जुट गई हैं। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकारियों ने यह माना है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है।

इस संबंध में भारतीय दूतावास ने बयान जारी करते हुए अधिकारी की मौत होने की पुष्टि की है, लेकिन मौत के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को अपने एक बयान में कहा, कि 'अत्यंत खेद के साथ हम यह सूचित करना चाहते हैं कि भारतीय दूतावास के एक सदस्य का 18 सितंबर 2024 की शाम को निधन हो गया। हम पार्थिव शरीर को जल्द भारत भेजने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों और परिवार के सदस्यों के संपर्क में हैं।' इस बयान के अलावा ज्यादा कुछ नहीं बताया गया है। बस यही कहा गया है कि, 'परिवार की गोपनीयता की चिंता के चलते मृतक अधिकारी के बारे में ज्यादा डिटेल जारी नहीं की जा रही है। दुख की इस घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं परिवार के साथ हैं।' स्थानीय पुलिस ने अभी तक अधिकारी की मौत की जांच को लेकर कोई औपचारिक जानकारी साझा नहीं की है। घटनास्थल पर जांच जारी है और सभी पहलुओं पर ध्यान दिया जा रहा है।

बिट्टू का सिर कलम करने वाले को 1 एकड़ जमीन इनाम में

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को तेलंगाना के कांग्रेसी विधायक ने धमकी दी है। उन्होंने ऑफर किया है, जो व्यक्ति बिट्टू का सिर कलम करेगा। उसे वह अपनी एक एकड़ पुश्तैनी जमीन इनाम में देंगे। केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने इस बयान को शेयर कर जानकारी दी है।

बिट्टू ने जो बयान शेयर किया है। उसमे उन्होंने इस धमकी के बाद कांग्रेस के लिए कहा है। 1984 से 2024 तक में कांग्रेस नहीं बदली है। आज भी वह सिखों के खून की प्यासी है। राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान की बात करते हैं। यहां विधायक सर कलम करने की धमकी देते हैं। रवनीत सिंह बिट्टू ने कुछ दिनों पहले राहुल गांधी को धमकी दी थी। उनका हश्र भी उनकी दादी की तरह होगा। उसके बाद से देश भर में बिट्टू के ऊपर हमले हो रहे हैं।

झारखंड के गढ़वा में राजनाथ सिंह के हेलिकॉप्टर में ईंधन हुआ खत्म, सड़क मार्ग से जाना पड़ा

गढ़वा (ईएमएस)। कृषिमंत्री शिवराज सिंह चौहान और राजनाथ सिंह को हेलिकॉप्टर में ईंधन खत्म होने के कारण सड़क मार्ग से जाना पड़ा। दोनों झारखंड के गढ़वा में परिवर्तन यात्रा में शामिल होने आए थे। वापसी के समय हेलिकॉप्टर में ईंधन खत्म होने के कारण दोनों को सड़क मार्ग के जरिए वापस वाराणसी जाना पड़ा।

देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एवं क्रृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान परिवर्तन यात्रा मे शामिल होने गढ़वा आये थे। परिवर्तन यात्रा समाप्त कर जैसे ही वे हेलीपैड पहुंचे उनके हेलीकाप्टर का तेल खत्म हो गया। जिस कारण उन्हें लगभग एक घंटा रुकना पड़ा, इसके बावजूद तेल उपलब्ध नही हो सका। इसके बाद दोनों को सड़क मार्ग से बनारस भेजा गया। जैसे ही हेलीकाप्टर मे तेल कम होने की बात सामने आई जिला प्रशासन की नींद उड़ गई।

मंदिरों के रखरखाव का कार्य संत और धर्माचार्य करें, सरकार नहीं-शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

अयोध्या (ईएमएस)। जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने तिरुपति मंदिर के प्रसाद में गाय की चर्बी व अन्य जानवरों की चर्बी और मछली का तेल इस्तेमाल किए जाने के मामले पर सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि धर्म का कार्य धर्माचार्यों को करने दिया जाए। मंदिरों के रखरखाव का कार्य भी धर्माचार्य करें। सरकार को मंदिरों पर से अपना नियंत्रण खत्म कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं अयोध्या के सभी संत और धर्माचार्यों से अपील करता हूं कि वो खड़े हों और सरकार के हाथों में मंदिरों का नियंत्रण छीन लें। मंदिर धार्मिक व्यवस्था के अनुसार चलें। धर्माचार्यों को इस दायित्व को संभाल लेना चाहिए।

गोध्वजा की स्थापना और रामकोट की परिक्रमा के लिए अयोध्या पहुंचे शंकराचार्य ने कहा कि तिरुपति प्रसादम मामले में जो भी दोषी हैं। उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। कठोर से कठोर दंड दिया जाना चाहिए। यह आपत्तिजनक है कि मंदिर में भगवान को इस तरह की चीजों का भोग लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भी तिरुपति मंदिर से तीन टन लड्डू आए थे जिसका वितरण रामभक्तों को किया गया। लोग प्रसाद का लड्डू बांटकर खाते हैं। ऐसे में लड्डू में पड़े पदार्थ न जाने कितने लोगों के शरीर में चले गए। प्रसाद की पवित्रतता नष्ट होने से लोग आहत हैं।

एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह वायु सेना के नए चीफ होंगे

- 30 सितंबर से जिम्मेदारी संभालेंगे

नई दिल्ली(ईएमएस)। एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह भारतीय वायु सेना के नए चीफ होंगे। वे 30 सितंबर को पदभार संभालेंगे। अमर प्रीत सिंह एयर मार्शल विवेक राम चौधरी की जगह लेंगे, जो 30 सितंबर को रिटायर हो रहे हैं।

अमर प्रीत सिंह अभी तक वायुसेना के वाइस चीफ के पद पर थे। उन्हें रोटरी विंग विमानों पर 5 हजार घंटे से अधिक समय तक उड़ान भरने का अनुभव है। उन्होंने वाइस चीफ बनने से पहले ऑपरेशनल फाइटर स्क्वाड्रन और फ्रंटलाइन एयर बेस की भी कमान संभाली है।

40 साल से एयरफोर्स में तैनात हैं

एयर मार्शल अमरप्रीत सिंह का जन्म 27 अक्टूबर को साल 1964 में हुआ था। अमर प्रीत सिंह 21 दिसंबर 1984 को वायुसेना एकडेमी डुंडीगल से इंडियन एयरफोर्स में तैनात हुए थे। वह 40 साल से वायुसेना की सेवा कर रहे हैं। एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह ने नेशनल डिफेंस एकडेमी खडकवासला और एयरफोर्स एकडेमी डुंडीगल से ट्रेनिंग ले चुके हैं। अमर प्रीत सिंह डिफेंस सर्विस स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन के भी छात्र रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने नई दिल्ली के नेशनल डिफेंस कॉलेज से भी ट्रेनिंग ली है। उन्होंने हाल ही में 59 साल की उम्र में तेजस उड़ाया था।

अमेरिका पहुंचे पीएम मोदी, राष्ट्रपति बाइडेन से करेंगे द्विपक्षीय बातचीत

वॉशिंगटन (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय दौरे पर अमेरिका पहुंचे। इस दौरे में पीएम मोदी क्वाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। साथ ही कई द्विपक्षीय मीटिंग होने की भी संभावना है। नरेंद्र मोदी बतौर पीएम अब तक 8 बार अमेरिका का दौरा कर चुके हैं और अब नौवीं यात्रा पर हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी क्वाड नेताओं के चौथे शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जो 21 सितंबर को डेलावेयर के विलमिंगटन में आयोजित होगा। यह सम्मेलन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की मेजबानी में होगा। इसके बाद 22 सितंबरको वहन्यूयॉर्कमेंभारतीय समुदाय से जुड़े कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी अपने दौरे के आखिरी दिन 23 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र के समिट ऑफ द फ्यूचर में भी हिस्सा लेंगे।

तीन दिवसीय अमेरिका दौरे पर पीएम मोदी, राष्ट्रपति बाइडेन से की द्विपक्षीय वार्ता

न्यूयॉर्क ,21 सितंबर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से तीन दिवसीय अमेरिका दौरे पर हैं. इस दौरे के दौरान पीएम मोदी क्वाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे. इसके साथ ही कुछ द्विपक्षीय बैठकें भी संभव हैं. नरेंद्र मोदी बतौर पीएम अब तक 8 बार अमेरिका का दौरा कर चुके हैं और यह उनका नौवां दौरा है. विदेश मंत्रालय (ई) ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 से 23 सितंबर तक अमेरिका के दौरे पर हैं.

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति बाइडेन से की बातचीत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्विपक्षीय वार्ता के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन के डेलावेयर स्थित आवास पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय वार्ता शुरू हो गई है. विदेश मंत्री एस. जयशंकर, विदेश सचिव, भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा भी एक हजार रहे.

इस बीच, प्रधानमंत्री मोदी 21 सितंबर को डेलावेयर के विलमिंगटन में आयोजित क्वाड लीडर्स के चौथे शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। 21 सितंबर को डेलावेयर के विलमिंगटन में आयोजित सम्मेलन की मेजबानी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन करेंगे। इसके बाद 22 सितंबर को वह न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय से जुड़े एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे. पीएम मोदी अपने दौरे के आखिरी दिन 23 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र के 'भविष्य के शिखर सम्मेलन' में भी हिस्सा लेंगे.

क्वाड के नेता स्वास्थ्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, उभरती प्रौद्योगिकियों, बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और आतंकवाद विरोधी क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा करेंगे।

इसके अलावा, यूक्रेन और गाजा संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के तरीकों पर भी चर्चा की जाएगी और भारत-प्रशांत क्षेत्र में शांति, प्रगति और स्थिरता पर जोर दिया जाएगा।

अमेरिका रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा कि हिंद महासागर में शांति और समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करने वाले समान विचारधारा वाले देश मुख्य मंच पर उभरे हैं.

बाइडेन के साथ इंटरव्यू में इसी मुद्दे पर फोकस रहेगा

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाह कार जैक सुलिवन ने कहा कि पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन यूक्रेनयुद्धऔरक्षेत्रमेंचीन की गतिवि धियों पर चर्चा करेंगे. इसके साथ ही बाइडन अपने यूक्रेन दौरे को लेकर पीएम मोदी से बात करेंगे. संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बिडेन ने ट्वीट किया कि आज मैं डेलावेयर में अपने घर पर प्रधान मंत्री अल्बानीज़, मोदी और किशिदा का स्वागत करूंगा। ये नेता न केवल स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं, बल्कि वे मेरे और हमारे राष्ट्र के मित्र भी हैं।

दिल्ली सरकार के मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में आतिशी सरकार के शपथ ग्रहण के बाद अब मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा भी कर दिया गया है। आतिशी के पास जल, वित्त, पॉवर समेत 13 विभागों की जिम्मेदारी रहेगी। इससे पहले भी वो इन विभागों को संभाल रही थीं। वहीं, कैबिनेट मंत्रियों में से सौरभ भारद्वाज के पास स्वास्थ्य, शहरी विकास और समाज कल्याण सहित आठ विभाग रहेंगे।

गोपाल राय को तीन और कैलाश गहलोत को 5 विभाग दिए गए हैं। इमरान हुसैन को दो और मुकेश अहलावत को 5 विभागों की जिम्मेदारी दी गई है।

गोपाल राय के पास पर्यावरण समेत तीन विभाग होंगे। कैलाश गहलोत परिवहन, महिला एवं बाल विकास समेत चार विभागों का प्रभार संभालेंगे। इमरान हुसैन खाद्य आपूर्ति और चुनाव विभाग का प्रभार संभालेंगे। मुकेश अहलावत दिल्ली के एससी-एसटी मंत्री बनेंगे, साथ ही श्रम समेत चार और विभाग भी संभालेंगे।

10 साल बाद जम्मू-कश्मीर में हो रहे विधान सभा चुनाव में आरोप-प्रत्यारोप चरम पर

जम्मू-कश्मीर में फारूक लाए आतंकवादः शाह

श्रीनगर(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। पहले चरण का मतदान हो चुका है। दूसरे चरण के मतदान से पहले जम्मू-कश्मीर का माहौल गरमा गया है। नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप चरम पर पहुंच गया है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार जम्मू-कश्मीर के दौरे पर रहे। मेंढर में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने कहा कि 90 के दशक में फारूक की मेहरबानी से आतंकवाद आया। 90 के दशक में यहां बहुत गोलीबारी होती थी, क्योंकि यहां के आका पाकिस्तान से डरते थे। शाह ने कहा कि अब पाकिस्तान नरेंद्र मोदी से डरता है। इनकी हिम्मत नहीं है गोलीबारी करने की। अगर गोलीबारी की तो मोदी गोली का जवाब गोले से देंगे।

शाह ने कहा कि ये चुनाव जम्मू-कश्मीर में तीन परिवारों का शासन खत्म करने वाला चुनाव है। तीनों परिवार ने यहां जम्हूरियत और चुनावों को रोक कर रखा था। इन्होंने पूरे जम्मू-कश्मीर में 90 के दशक से 2014 तक दहशतगर्दी फैलाई। 40 हजार युवा मारे गए। शाह ने कहा कि 1947 के बाद से पाकिस्तान के खिलाफ लड़े गए हर जंग में जम्मू-कश्मीर के सैनिकों ने भारत की रक्षा की है। 1990 के दशक में जब आतंकवाद आया, तो यह मेरे पहाड़ी, गुर्जर और बकरवाल भाई ही थे, जिन्होंने सीमाओं पर बहादुरी से गोलियों का सामना किया।

भाजपा वाले पाकिस्तानी हैः फारूक

फारूक अब्दुल्ला ने अमित शाह के हमले का जवाब देते हुए कहा- जब भी कोई चीज आती है तो ये लोग भाजपा पाकिस्तान का नाम लेते हैं फिर हमसे कहते हैं कि हम पाकिस्तानी हैं। ये लोग कहते हैं कि फारूक अब्दुल्ला और राहुल गांधी का गठबंधन पाकिस्तान की तरफ से हुआ है। हमें पाकिस्तान से क्या लेना देना है। मुझे तो लगता है ये खुद पाकिस्तानी हैं।

आतिशी दिल्ली की सबसे युवा सीएम बनीं

शीला दीक्षित, सुषमा स्वराज के बाद तीसरी महिला ष्टरू; 5 मंत्रियों ने शपथ ली, मुकेश अहलावत नया चेहरा

नई दिल्ली(ईएमएस)। आतिशी ने शनिवार को दिल्ली की 17वीं मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। राजनिवास में उन्हें एलजी विनय सक्सेना ने शपथ दिलाई। शपथ के बाद आतिशी ने अरविंद केजरीवाल के पैर छुए। वे दिल्ली की सबसे युवा और तीसरी महिला मुख्यमंत्री बन गईं। उनसे पहले सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित सीएम रह चुकी हैं। आतिशी के बाद सौरभ भारद्वाज. गोपाल राय, कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन और मुकेश अहलावत ने मंत्री पद की शपथ ली। कैबिनेट में मुकेश अहलावत एकमात्र नया चेहरा हैं।

43 साल की आतिशी कालकाजी सीट से तीन बार की विधायक हैं। आतिशी दिल्ली की सबसे युवा सीएम होने का केजरीवाल का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। आतिशी 43 साल की हैं, जबकि 2013 में पहली बार मुख्यमंत्री बनने के समय केजरीवाल 45 साल के थे। आप विधायकों ने 17 सितंबर को केजरीवाल के इस्तीफे के बाद आतिशी का नाम सीएम के रूप में फाइनल किया था। आतिशी के शपथ ग्रहण समारोह में आम आदमी पार्टी कन्वेनर अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और पंजाब सीएम भगवंत मान शामिल रहे।

आम आदमी पार्टी की दिग्गज नेता आतिशी ने शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अब मुख्यमंत्री बनने के बाद आतिशी की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है. जिसमें उन्होंने अरविंद केजरीवाल को धन्यवाद दिया है. आतिशी हरे रंग की साड़ी पहनकर मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने राजभवन पहुंचीं. इसलिए शपथ लेने के बाद आतिशी ने केजरीवाल के पैर पकड़ कर उनका आशीर्वाद लिया. आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, ''दिल्ली के इतिहास के सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री, मेरे बड़े भाई और मेरे राजनीतिक गुरु अरविंद केजरीवाल को धन्यवाद, जिन्होंने मुझे दिल्ली के लोगों की देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी. आज मैंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है, लेकिन यह मेरे और हम सबके लिए भावनात्मक क्षण है कि अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री नहीं हैं.

आतिशी ने आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल ने पिछले दस सालों में दिल्ली की छवि बदल दी है. उन्होंने दिल्ली के आम लोगों का जीवन बदल दिया। उन्होंने गरीबों का दर्द समझा. दिल्ली की सीएम बनने के बाद आतिशी का कहना है, ''...आज मैंने सीएम पद की शपथ ली है लेकिन यह हमारे लिए भावनात्मक क्षण है जब अरविंद केजरीवाल सीएम नहीं हैं...अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के लोगों की जिंदगी बदल दी...''

बता दें कि शनिवार को आतिशी से उपराज्यपाल वी.के. ने मुलाकात की थी। सक्सेना ने शनिवार को दिल्ली के आठवें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। यहां राजनिवास में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सक्सेना ने आतिशी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ के बाद आतिशी ने अरविंद केजरीवाल के पैर छुए। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद इस सप्ताह की शुरुआत में आतिशी को पार्टी विधायक दल का नेता चुना गया था।

बेंगलुरु में श्रद्धा वॉकर जैसा नरसंहार! लड़की की हत्या के बाद 32 टुकड़े किए गए, फ्रिज में मिला शव

बेंगलुरु (ईएमएस)। बेंगलुरु में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। 29 साल की एक महिला की हत्या कर उसके शव को 32 टुकड़ों में काटकर फ्रिज में रख दिया गया. इस नृशंस हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है. पुलिस ने आशंका जताई है कि महिला की हत्या करीब 4-5 दिन पहले की गई है. पुलिस ने कहा कि क्रान सेन में मारे गए माहिल के शरीर के अंग उसके घर के अंदर एक फ्रीजर में पाए गए। बताया जा रहा है कि मृतक महिला दूसरे राज्य की रहने वाली थी.

पुलिस ने क्या कहा?

मौके पर पहुंची पुलिस टीम फिलहाल जांच कर रही है. अधिकारी ने बताया कि हत्या के पीछे के मकसद और संदिग्धों के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है. बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर ने बताया कि मृतक दूसरे राज्य की रहने वाली थी, लेकिन फिलहाल वह अपने परिवार के साथ बेंगलुरु में रह रही थी.

घटना की जांच के लिए कई टीमें लगाई गईं

पुलिस के मुताबिक, मृतक माहिल के परिजनों के आने के बाद हत्या का खुलासा हुआ. तब स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से घर से अजीब सी बदबू आ रही थी, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने जब घर का ताला तोड़ा तो हैरान रह गए. बताया जा रहा है कि मृतक महिला ने दो-तीन महीने पहले ही यह मकान किराए पर लिया था. मौके पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद हैं और घटना का खुलासा करने के लिए फॉरेंसिक टीम, डॉग स्क्वायड और एफएसएल की टीम पहुंच गई है.

जब दिल्ली में हुई इस घटना से पूरे देश में हंगामा मच गया

गौरतलब है कि 2022 में दिल्ली के महरोली में भी इस तरह की घटना हुई थी. यहां आफताब पूनावाल नाम के एक शख्स ने अपनी गर्लफ्रेंड श्रद्धा वॉकर की हत्या कर उसके शव के 36 टुकड़े कर दिए। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था.

महिला डॉक्टर के बाल खींचकर घसीटते दिखी.....महिला तीमारदार

लखनऊ (ईएमएस)। लखनऊ के मशहूर लोकबंधु अस्पताल में हाल ही में एक महिला डॉक्टर के साथ मारपीट का मामला आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है, जिसमें यह स्पष्ट रूप से दिखा रहा कुछ तीमारदार महिला डॉक्टर को बाल खींचकर घसीटते और उन्हें बुरी तरह पीटते हैं। राजाजीपुरम के निवासी 65 वर्षीय राजेश टंडन को इलाज के लिए अस्पताल में लाया गया था। अस्पताल में मौजूद जूनियर महिला डॉक्टर ज्योति कृष्णामूर्ति ने मरीज को तुरंत भर्ती किया। इलाज के दौरान, मरीज के साथ आए तीन-चार महिला तीमारदार किसी बात को लेकर भड़की और महिला डॉक्टर के साथ अभद्रता शुरू कर दी।

महिला डॉक्टर ने मामले की जानकारी तुरंत अस्पताल के निदेशक को दी। इसके साथ ही उन्होंने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। सीसीटीवी कैमरे में कैद इस घटना में साफ दिखाई दे रहा है कि तीमारदार किस तरह डॉक्टर की पिटाई कर रहे हैं। इस घटना ने डॉक्टर कम्युनिटी के साथ-साथ आम जनता को भी झकझोर कर रख दिया है। महिला डॉक्टरों और अस्पताल में काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी अब गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

भाजपा और आरएसएस की जहरीली मानसिकता के खिलाफ आंदोलन करेगी कांग्रेस

-मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जम्मू-कश्मीर में भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा है। खड़गे ने दावा किया कि भाजपा और आरएसएस ने राहुल गांधी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की है। कांग्रेस इस जहरीली मानसिकता के खिलाफ आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा को राजनीति से हटाने के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन जरूरी था। उन्होंने सफाई देकर कहा कि कांग्रेस आरक्षण का पूरा समर्थन करती है और समर्थन करती रहेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने जम्मू कश्मीर में 'शांति, विकास' पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणियों पर सवाल उठाकर पूछा कि आतंकवाद की घटनाएं क्यों हो रही हैं। भाजपा कह रही है कि 5 लाख नौकरी दी जाएगी। इसके बाद सवाल है कि आप सरकार में हैं, तब फिर नौकरी क्यों नहीं दी। लेकिन कांग्रेस जो कहती है, वहां करती है.. इसलिए सत्ता में आते ही 1 लाख पदों पर भर्ती की जाएगी।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 35प्रतिशत बेरोजगारी है और 65 प्रतिशत सरकारी पद यहां खाली हैं। भाजपा के पास बहुत समय था, उनके एलजी के पास ताकत थीं, लेकिन उन्होंने खाली पद नहीं भरे। पहले यहां लोगों को 11 किलो अनाज मिलता था, भाजपा ने कम करके 5 किलो कर दिया। कांग्रेस सरकार में आते ही खाली पदों को भरेगी और 11 किलो राशन देगी।

उन्होंने कहा कि मोदी और शाह हमेशा जुमले बनाते हैं और उन्हीं पर वोट मांगते हैं। खड़गे ने दावा किया कि हमारी सरकार ने मनरेगा योजना शुरू की, देश के किसानों की कर्जमाफी की, जनता के लिए फूड सिक्योरिटी एक्ट लाए, बेहतर शिक्षा के अवसर बनाए, गरीबों के उत्थान के लिए काम किया। कांग्रेस पार्टी हमेशा से देश और जनता के लिए काम करती आई है।

खड़गे ने कहा कि हमने जम्मू-कश्मीर चुनाव के लिए सात गारंटियों की घोषणा की है। इसमें हमारा पहला मुद्दा जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने का है। उन्होंने कहा कि हर परिवार का 25 लाख का बीमा। हर जिले में अस्पताल, परिवार की मुखिया महिला को हर महीने 3000 रुपए दिए जाएंगे। स्वयं सहायता समूह को बिना ब्याज के लोन। कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास की व्यवस्था लागू होगी। पिछड़े वर्ग को पूरा हक मिलेगा। उन्होंने कहा कि उनका कोई एजेंडा नहीं है। बीजेपी और आरएसएस के नेता हमेशा कांग्रेस नेताओं की जीभ काटने की बात करते हैं।

भाजपा प्रत्याशी के ड्राइवर से 50 लाख बरामद

कार में बैग में रखे थे 500-500 रुपए के 20 बंडल

सोनीपत (ईएमएस)। हरियाणा के सोनीपत में पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान कार से 50 लाख रुपए कैश बरामद किया है। कार में 2 युवक सवार थे, जिनमें से एक जींद के भाजपा प्रत्याशी कृष्ण मिड्ढा का ड्राइवर हैप्पी है और दूसरा उनका करीबी कालू उर्फ सुरेंद्र आहूजा है। दोनों नोएडा से कैश लेकर आ रहे थे।

पुलिस के सामने दावा किया गया है कि ये 50 लाख रुपए प्लाट की रजिस्ट्री के लिए हैं। आचार संहिता लगने के बाद 50 हजार रुपए से ज्यादा की राशि बिना प्रूफ के ले जाने पर पाबंदी है। पुलिस ने कार से नोटों की 20 गड्डी (बंडल)बरामद की हैं और प्रत्येक गड्डी में 500 रुपए के 500 नोट थे।

दिल्ली, केरल और झारखंड समेत 8 हाईकोर्ट को मिले नए चीफ जस्टिस

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने 8 हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के मुताबिक, दिल्ली, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख, मध्य प्रदेश, केरल, मेघालय और मद्रास हाईकोर्ट के लिए चीफ जस्टिस के नाम की सिफारिश की गयी है।

एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए केंद्रीय मंत्री ने लिखा है, भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति उच्च न्यायालयों के निम्नलिखित मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति/स्थानांतरण करते है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया है कि दिल्ली उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनमोहन को दिल्ली उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया जाता है। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजीव शकधर को हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार दिल्ली उच्च न्यायालय

जन हितैषी

चुनाव की जीत बेगुनाही का सबूत नहीं

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी पर लगे, दिल्ली शराब घोटाले के आरोपों और उनके इस्तीफे ने राजनीतिक गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिये हैं। केजरीवाल आरोपों को एक राजनीतिक साजिश का हिस्सा बता रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा होने पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। जिस तरह से जमानत की शर्तें कोर्ट ने लगाई थी। उन शर्तों के कारण वह मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए भी कोई भी निर्णय करने की स्थिति में नहीं थे। नाही वह मुख्यमंत्री सचिवालय में जा पाते। इस स्थिति को देखते हुए, उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर जनता के बीच जाने का फैसला किया है। दिल्ली विधानसभा के चुनाव में यदि उन्हें बहुमत से जीत हासिल हो जाती है। तो उनका कहना है कि जनता की न्यायालय ने उन्हें ईमानदार माना है। वह जनता की अदालत से निर्दोष साबित होकर बाहर निकलेंगे। जिस तरह से चुनावी जीत को आरोपों से निर्दोष होने की बात उन्होंने कही है। इसे किस रूप में देखा जाए इसको लेकर अब राजनीतिक हल्कों में एक नई बहस छिड़ गई है। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद, नोटबंदी के फैसले को चुनावी जीत से जोड़ा था। पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने जनता के समर्थन को सबसे ऊपर रखते हुए, बार-बार कहा है। जनता ने उन्हें समर्थन दिया है। उनकी नीतियों को सही माना है। एक तरह से चुनावी जीत को केंद्र सरकार ने अपनी नीतियों की जीत बताया है। भाजपा की केंद्र सरकार और राज्यों की भाजपा सरकार बहुमत के आधार पर अपने हर निर्णय को चुनावी जीत से जोड़कर उसे बेगुनाही का सबूत बताती हैं। चुनावी जीत से किसी भी आरोप को समाप्त नहीं माना जा सकता है। चुनावी जीत का जनता के समर्थन का जुड़ाव हो सकता है। लेकिन चुनाव की जीत न्याय और अदालत के फैसले का विकल्प नहीं हो सकती है। नेता,चाहे वह कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो, कानूनी प्रक्रिया से उसे गुजरना ही पड़ेगा। न्यायालय को ही यह अधिकार है, कानून के दायरे में रहते हुए अपने अधिकारों का प्रयोग किया है, या नहीं किया है। कानून के अनुसार अपराध निर्दोष होने का अंतिम फैसला न्यायालय का ही हो सकता है। 1975 में आपातकाल लगाया गया था। आज तक कांग्रेस को आपातकाल का दंस झेलना पड़ रहा है। जबकि लोकसभा और राज्यसभा में आपातकाल को लेकर बिल पास हुआ था। उसके बाद भी कांग्रेस यह कहकर आज भी नहीं बच पाती है, कि संसद ने आपातकाल का बिल पास किया था। निर्वाचित सरकारें बहुमत के आधार पर बहुत सारे निर्णय लेती हैं। जो समय-समय पर गलत भी साबित होते हैं। नोटबंदी के मामले में आज भी विपक्षी दल केंद्र सरकार पर हमलावर होते हैं। नोटबंदी का निर्णय सही था, या गलत यह तो समय बताएगा। नोटबंदी के मामले में यदि कोई गड़बड़ी हुई है, तो उसकी जिम्मेदारी, जिसने गड़बड़ी की है उसी के ऊपर आएगी, वह हमेशा न्यायिक समीक्षा के अधीन रहेगी। इलेक्ट्रॉल बांड वाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उसे असवैधानिक बताकर निरस्त किया है। इलेक्ट्रोल बांड के जरिए कोई आर्थिक गड़बड़ी हुई है, तो उसके लिए संबंधित व्यक्ति, पार्टी अथवा जो भी जिम्मेदार होगा। वह न्यायिक समीक्षा के अधीन हमेशा रहेगा। इस मामले का फैसला जब भी करेगी, न्यायपालिका ही करेगी। कोई भी राजनीतिक दल या राजनेता यह कहकर नहीं बच सकता है, कि उसने चुनाव जीत लिया है। इसलिए उसके खिलाफ सारे आरोप खत्म हो गए हैं। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भले दिल्ली विधानसभा का चुनाव जीत जाएं। न्यायपालिका से ही वह दोषी या निर्दोष साबित होंगे। पिछले एक दशक में जिस तरह से राजनीतिज्ञ अपने-अपने अनुकूल व्याख्या, राजनीतिक दल और राजनेता करने लगे हैं। उनका कोई ओर छोर नहीं है। अरविंद केजरीवाल जिस तरह से अपने आप को ईमानदार साबित करने की कोशिश कर रहे हैं। वह एक राजनीतिक प्रयास जरूर हो सकता है। संविधान के अनुसार उन्हें क्लीन चिट न्यायपालिका से ही लेनी पड़ेगी। न्यायपालिका यदि उन्हें क्लीन चिट देगी, तभी वह शराब घोटाले के आरोपों से मुक्त हो पाएंगे यही सत्य है।

एक राष्ट्र एक चुनाव देश व लोकतंत्र के हित में

(चुनाव पर विशेष आलेख!)

एक राष्ट्र एक चुनाव इस देश के लिये कोई नई पहल नहीं हैए आजादी के बाद 1951-52 से लेकर 1967 तक के लोकसभा विधानसभा के चुनाव एक साथ ही होते रहे लेकिन जब से सत्ता के प्रति राजनीति में मोह ज्यादा पनप गयाए देश में छोटे . छोटे दल ज्यादा पनप गये जिससे आया राम गया राम की कहानी शुरू हो गई। सत्ता के लिये कौन किधर चला जायेगाए कब चला जायेगा किसी को पता नहीं। इस तरह के बदले हालात एवं असुरक्षित माहौल ने देश में लोकतंत्र की तस्वीर ही बदल डाली। विधान सभाए लोकसभा के परिवेश समय से पहले हीं डगमगाने लगे। मध्यावधि चुनाव की स्थितियां बनने लगी। एक देश एक चुनाव की जगह अब सुरक्षा की दृष्टि से देश में कई चरणों में कई बार लोकसभा एवं विधानसभा के चुनाव होने लगे। जिसने देश पर अनावश्यक खर्च भी बढ़ा दिया। अब फिर से एक राष्ट्र एक चुनाव कराये जाने की संवैधानिक बात सामने आ रही है जिसके तहत इस दिशा में देश के पूर्व राष्ट्रपति महामहिम श्री रामनाथ कोविद के नेतृत्व में गठित समिति की सिफारिस स्वीकार करते हुए वर्तमान केन्द्र सरकार ने वर्ष 2029 में एक राष्ट्र एक चुनाव कराये जाने की पहल शुरू कर दी है। केन्द्र सरकार की यह पहल देश एवं लोकतंत्र के हित में अवश्य है जहां चुनाव पर होने वाले अनावश्यक खर्च रोका जा सकता। पर देश में बदली राजनीतिक पृष्ठिभूमि जहां लाभतंत्र के साथ-साथ माफिया वर्ग हावी हैए इस तरह के परिवेश को कब तक स्थाईत्व प्रदान कर सकेगाए कुछ कहा नहीं जा सकता। इस पहल पर जहां सत्ता पक्ष सकरात्मक नजर आ रहा है वहीं विपक्ष अपने-अपने तरीके से विरोध जता रहा है। फिर भी इस पहल पर कुछ राजनीतिकए कुछ संवैधानिक अड़चनें अवश्य नजर आ रही हैए जिसका समाधान सभी को मिलकर तलाशना होगा।

फिलहाल वर्ष 2025 एवं 2026 में देश के 17 राज्यों के होने वाले विधान सभा चुनाव के कार्यकाल को बढ़ाये जाने की समिति ने सिफारिस की है जहां कुछ राज्यों में केन्द्र की सत्ता पक्ष राजनीतिक दल की सरकार तो कुछ राज्यों में विपक्ष की सरकार सत्ता में है। जो कि टेढ़ी खीर है।

जब देश में एक राष्ट्र एक चुनाव के तहत लोकसभा एवं विधानसभा के चुनाव करा लिये जाय तो इस बात की कोई ग्रांटी नहीं कि देश में मध्यावधि चुनाव की स्थिति न बनेए यहीं तर्क विपक्ष की ओर से आ रहा है।

एक राष्ट्र एक चुनाव को सफल बनाने के लिये देश में मध्यावधि चुनाव की स्थिति को टालने के मार्ग तलाशने होगे। इस दिशा में संविधान में एक कानून यह भी परित किया जाना चाहिए जो परिवेश मध्यावधि चुनाव के कारण बनते हैए उसपर अकुंश लगाया जाय। बहुमत के आधार पर सरकार गिराने के वजाय अल्पमत की सरकार चलते रहने का कानून बने जिससे आया राम गया राम की कहानी खत्म हो। लोकसभा एवं विधान सभा परिवेश पर आया राम गया राम प्रभावहीन रहेंगे एवं देश में बहुदलीय की जगह राजनीतिक दलों की संख्या सीमित रहे तो एक राष्ट्र एक चुनाव सफल हो सकता है।

(लेखक- डा. भरत मिश्र प्राची / ईएमएस)

अब इंडिया में लड्डू पलटिक्स का दौर

कलियुग में सब कुछ बदल रहा है। सियासत भी। अब सियासत में बाक़ी तमाम मुद्दे पीछे चले गए हैं और अब लड्डू पॉलटिक्स शुरू हो गयी है । ये पॉलटिक्स तिरुपति में प्रसादम केलिए बनने वाले लड्डुओं में घी के नाम पर चर्बी के इस्तेमाल को लेकर शुरू हुई है। इस मामले में सूप तो सूप छलनियाँ भी बोलने लगीं हैं ,जिसमें की सैकड़ों छेद होते हैं । लड्डू पॉलटिक्स में अब टीडीपी वायएसआर पार्टी ही नहीं बल्कि भाजपा और कांग्रेस भी कूद पड़ी है।

दरअसल देश में नेताओं को जब राजनीति के लिए कुछ नहीं मिलता तो वे लड्डुओं तक का इस्तेमाल करने लगते हैं और इस तरह की पॉलटिक्स की शिक्षा भाजपा ने अपने सहयोगी दलों को भी देना शुरू कर दी है। प्रसादम के लड्डुओं में चर्बी के इस्तेमाल का मुद्दा भाजपा की सहयोगी टीडीपी ने उठाया। टीडीपी की सरकार ने ही लड्डुओं की जाँच एक गुजराती प्रयोगशाला में कराई ,जबकि देश की सबसे बड़ी प्रयोगशाला हैदराबाद में मौजूद थी।

लड्डू पॉलटिक्स के मामले में फांसी और सीबीआई जांच तक की मांग हो गई है. दरअसल, आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू के पिछली जगनमोहन रेड्डी सरकार पर मंदिर में प्रसाद में घी की जगह मछली का तेल और जानवरों की चर्बी मिलाई जाने के आरोपों के बाद से विवाद जारी है. वाईएसआर कांग्रेस के अध्यक्ष और आंध्र के पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने नायडू पर पलटवार करते हुए कहा है कि अपनी सरकार के 100 दिन की नाकामी छुपाने के लिए चंद्रबाबू नायडू भगवान के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। क्योंकि, उनके सभी आरोप निराधार हैं. अब इस मामले में देश भर के संतों में भी नाराजगी देखी जा रही है. संत कह रहे हैं कि आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं कर सकते।

आप भी जानते हैं और हम भी की इस देश में जब इंदिरा गाँधी और राजीव गाँधी के हत्यारों को फांसी नहीं हो पाती तो लड्डुओं में चर्बी और मछली का तेल मिलाने वालों को क्या ख़ाक फांसी होगी ? हाँ ये तय है की इस मुद्दे पर अब पालटिक्स होगी ,क्योंकि टीटीडी यानि तिरुपति देवस्थानम के पास अकूत सम्पत्ति है। आंध्र प्रदेश की हर सत्ता इस सम्पत्ति का उपभोग करना चाहती है। लड्डू तो एक बहाना भर हैं।

आंध्र प्रदेश में सत्ता बदलते ही 12 जून को ही तिरुपति मंदिर के प्रसाद में इस्तेमाल होने वाले घी की जांच के नमूने लिए गए थे। जांच रिपोर्ट 23 जून तक तैयार हो गई, लेकिन खुलासा सितंबर में हुआ जब नायडू सरकार के 100 दिन पूरे हुए। जो रिपोर्ट सामने आई उसमें लड्डू बनाने वाले घी में जो चीजें पाई गई थीं, वो बताती थी कि इसमें गाय के शुद्ध घी की जगह अन्य तिलहन और वस्पतियों के अलावा मछली के तेल और अन्य जानवरों की चर्बी हो सकती है। ये जांच नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड यानी एनडीडीबी के सेंटर फॉर एनालिसिस एंड लर्निंग इन लाइवस्टॉक एंड फूड यानी सीएएलएफ लैब में कराई गई थी।

इस सब को जाने दीजिये,क्योंकि लड्डू तो एक बहाना हैं लेकिन असल बात ये है कि देश के राजनितिक दलों के पास जितना पैसा था और है और आगे होगा उससे कई गुना पैसा तिरुपति के बालाजी भगवान के पास है।तिरुपति के बालाजी भगवान ने ये पैसा किसी इलेक्टोरल बांड के जरिये नहीं कमाया बल्कि ये अकूत दौलत देश के अमीर -गरीब भक्तों ने उन्हें स्वेच्छा से भेंट की है। साल 2023 में 773 करोड़ की कीमत का एक हजार 31 किलो सोना भगवान वेंकटेश को चढ़ाया गया. इतना ही नहीं, बालाजी मंदिर का बैंकों में 11 हजार 329 किलो सोना जमा है। मंदिर के नाम से 13 हजार 287 करोड़ रुपए फिक्स डिपॉजिट किया गया है. अप्रैल 2024 तक 18 हजार 817 करोड़ रुपए मंदिर के नाम से बैंक में जमा हो चुका है।टीटी डी ट्रस्ट बोर्ड ने 2024-2025 के लिए कुल 5 हजार 141.74 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी है. ये पहली बार है, जब मंदिर का वार्षिक बजट 5,000 करोड़ रुपये के.आंकड़े को पार कर गया है।

लड्डू पलटिक्स के जरिये जहाँ टीडीपी अपने राजनितिक प्रतिद्वंदियों को निबटना चाहती है वहीं भाजपा इनके जरिये अपने राजनीतिक प्रतिद्वंदियों से हिसाब बराबर करना चाहती है।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने आंध्र के सीएम चंद्रबाबू नायडू से फोन पर बात की और प्रसाद की रिपोर्ट मांगी है। साथ ही जेपी नड्डा ने जांच के बाद कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। सवाल ये है कि क्या इस मामले में केंद्र सरकार को हस्तक्षेप का अधिकार है ? हर मामले में बिना बोले न रहने वाले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तो दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग कर दी है. वहीं, कांग्रेस ने सीएम नायडू पर सवाल खड़े किए हैं कि तीन महीने तक सीएम ने खुलासा क्यों नहीं किया । अब कांग्रेस ने सीबीआई जांच की मांग की है ।

गुजरात की अमूल कम्पनी ने इस मामले में अपना नाम आते ही सफाई दी है की अमूल ने कभी भी टीटीडी को घी की आपूर्ति नहीं की । यानि चोर की दाढ़ी में तिनका। लड्डू पलटिक्स में अभी तक माननीय प्रधानमंत्री नहीं बोले है । वे इस समय चुनावी रैलियों में व्यस्त हैं,वैसे भी वे इस तरह के पचड़ों से दूर रहते हैं ,पास तभी आते हैं जब उन्हें या उनकी सरकार और पार्टी को ऐसे मामलों से कोई लाभ हो । लेकिन लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तिरुपति के लड्डू से जुड़े मामले पर चिंता जताई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि पूरे देश में प्रशासन को धार्मिक स्थलों की पवित्रता की रक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर मंदिर में प्रसाद के अपवित्र होने की खबरें परेशान करने वाली हैं। भगवान बालाजी भारत और दुनियाभर में लाखों श्रद्धालुओं के लिए पूजनीय देवता हैं। यह मुद्दा हर श्रद्धालु को आहत करेगा और इस पर गहराई से विचार करने की जरूरत है।

चूंकि भाजपा की नजर में राहुल गांधी देश के नंबर एक आतंकवादी हैं इसलिए उनकी बात सुनेगा कौन ? सवाल ये है कि इस लड्डू पॉलटिक्स का अंत क्या होगा ? क्या जगंमोहहं रेड्डी जेल जायेंगे ? क्या आईएनडीआईए पर इन लड्डुओं के बहाने देश में हो रहे विधानसभा चुनावों में हमले किये जायेंगे ? या सचमुच देश की जनता की आस्थाओं और जन स्वास्थ्य के प्रति खिलवाड़ को रूकने के लिए राजनीति से ऊपर उठकर कोई कार्रवाई की जाएगी ? मुमकिन है कि मामले का लाभ लेने के लिए राज्य सरकार इस मामले की सीबीआई जाँच के लिए अपनी सहयोगी केंद्र सरकार को खत लिख दे । मुमकिन है कि केंद्र सरकार इस जाँच की आड़ में कांग्रेस और कांग्रेस के सहयोगी जगन मोहन रेड्डी को जेल भेजने की तैयारी करे ,लेकिन कोई भी इस बात की गारंटी नहीं दे सकता कि भविष्य में प्रसादम के लड्डुओं में किसी चर्बी या मछली के तेल युक्त देशी घी का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

टीटीडी के पास इतनी दौलत है कि वो चाहे तो अपने यहां आपूर्ति किये जाने वाले घी,बेसन,मेवों की जांच के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर की लैब स्थापित कर ले ,लेकिन वो भी ऐसा शायद ही करे ,क्योंकि उसने भी सब कुछ भगवान व्यंकटेश के भरोसे छोड़ दिया है। होगा वही जो पॉलटिक्स तय करेगी । भगवान और भक्त इसमें कुछ नहीं कर सकते। क्योंकि राहुल गांधी के खिलाफ दिल्ली ,भोपाल और बनारस में मुकदमा दर्ज करना जितना आसान है उतना प्रसादम में चर्बी युक्त घी सप्लाई करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करना कठिन है।

(लेखक-राकेश अचल/ईएमएस)

भूजल की कंगाली और अनुपम मिश्र की प्रासंगिकता

हाल में दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल सप्ताह का उद्घाटन करते हुए कहा- संकट से जूझ रहे लोगों की संख्या को कम करने का लक्ष्य पूरी मानवता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सतत विकास लक्ष्यों के तहत जल और स्वच्छता प्रबंधन में सुधार के लिए स्थानीय समुदायों की भागीदारी को जरूरी है।

जल-संचयन, जल निकासी और जलोपयोग के बीच पूर्ण अनुशासनहीनता जल संकट का मूल है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक ढाबों में एक सा खाना, भिन्न मौसम ताप के वाबजूद इमारतों की एक सी डिजाइन, एक से मेटेरियल का इस असंतुलन से गहरा नाता है। बारिश की बूंदों को संजोने की बजाय, पुरखों द्वारा संजोये पताली पानी को बोतलों में बंद करने,उससे मुनाफा कमाने,बांध, नहर नदी जोड़ जैसी मूढ़ परियोजनाओं के चित्र को जैसे ही सामने रखेंगें हम, समझ जाएंगें कि जल संकट प्राकृतिक नहीं, शैतानी इंसानी प्रवृति का दुष्परिणाम है।

बात जब जल संकट की होती है तो अनुपम मिश्र सहज याद आ जाते हैं। उनका चिंतन आज भी प्रासंगिक है।अनुपम जी अपनी पीढ़ी के आखिरी ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने भारत को पर्यावरण की राजनीति समझाई। वही वो व्यक्ति थे,जो चिपको आंदोलन में गए जब वापस आए तो एक हकीकत भरी कहानी उनके साथ लौटी।उन्होंने बताया कि चिपको आंदोलन सिर्फ पेड़ों तक सीमित नहीं था बल्कि लोगों के राजनीतिक पक्षपात से भी जुड़ा हुआ था। लोग पर्यावरण के लिए लड़ रहे थे क्योंकि यह उनके अस्तित्व की लड़ाई थी। उन्होंने पर्यावरण की विशुद्ध राजनीति को समझाया, यह भी समझाया कि इस देश में हाशिए पर खड़े गरीबों की राजनीति कौन सी है और आखिर उनका भूलाया हुआ और उपेक्षित किया जाने वाला ज्ञान कैसे विकास का हिस्सा बनेगा।अपने ढंग से उन्होंने गांधी के आश्रित हो लोक को समझने का प्रयास किया।

गांधी शांति प्रतिष्ठान में साथ बिताए वर्षों के दौरान, अनुपम मिश्र चंडी प्रसाद भट्ट के नेतृत्व वाले चिपको आंदोलन से बहुत प्रभावित हुए। सत्येंद्र त्रिपाठी के साथ, उन्होंने चिपको आंदोलन लिखा, जो भारत और दुनिया भर के लोगों का ध्यान ''पेड़ों को गले लगाने'' के इस अनूठे आंदोलन की ओर आकर्षित करने में बहुत प्रभावशाली था। सामूहिक अहिंसक प्रतिरोध के इस प्रेरक और प्रभावी रूप में, महिलाओं और पुरुषों ने मांग की कि अगर कोई पेड़ काटा जाना है, तो उन्हें भी उसके साथ काटा जाना चाहिए।

भारत में सदियों से अपनाई जा रही जल संरक्षण तकनीकों की जानकारी में उन्हें महारथ हासिल था। उन्होंने देश-विदेश में बताया कि किस तरह भारत के अलग-अलह हिस्सों में रहने वाले लोग अपनी भौगोलिक स्थिति, संसाधनों की उपलब्धता और जरूरतों को समझते हुए जल संरक्षण के कारगर तरीके अपनाते थे। उनका कहना था कि आधुनिक जल परियोजनाएं इन पारंपरिक तरीकों के आगे फीकी और कम असरदार हैं।

उनके निधन के बाद धीरे- धीरे लोगों ने उन्हें विस्मृत कर दिया। पर्यावरण के संदर्भ में वे देशज ज्ञान के वाहक थे। गांधी शांति प्रतिष्ठान जो उनकी कर्मभूमि थी, उनकी स्मृतियों को खत्म किया जा रहा है। वहीं झारखंड के रांची में 29 सितम्बर को गोदावरी फांउडेशन द्वारा अनुपम मिश्र को याद किए जाने के कई मायने हैं।

वे ऐसे व्यक्ति थे जो बिना किसी नाम के, बिना आवाज के, बिना गाजे-बाजे के, बस अच्छे काम कर रहे थे। अनुपम जी व्यक्ति खोजते थे, उसे तराशते थे और उसके साथ काम करते थे। इनमें जल पुरूष राजेन्द्र सिंह के साथ साथ कई हस्तियों के नाम हैं।

पर्यावरण संरक्षण आज के युग की बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। भारत में इसका असर विविध रूपों में देखने को मिल रहा है।देश में पर्यावरण का संरक्षण करने के लिए तक़रीबन 200 से भी अधिक कानून हैं, लेकिन लगभग सभी कानूनों का खुलेआम उल्लंघन होता है इसलिए भारत सर्वाधिक प्रदूषित देशों की सूची में आता है और पर्यावरण संरक्षण के लिए कोई कदम अभी तक प्रभावी सिद्ध नहीं हो पाए हैं।गांधी ने अपनी जीवन यात्रा पहले पूरी की, पर्यावरण शब्द बाद में जन्मा। गांधी वातावरण का जिक्र करते। सारा कुछ प्राकृतिक संसाधनों के उपभोग का अतिरेक है,यह संकट। सूखा और जंगली आग अधिक बार होने लगी है, वर्षा के पैटर्न बदल रहे हैं, ग्लेशियर और बर्फ पिघल रहे हैं और वैश्विक औसत समुद्र स्तर बढ़ रहा है।

भारत में हाल ही में आई जानलेवा गर्मी और सूखे के लिए आंशिक रूप से जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराया गया है। विश्लेषण से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन ने ऐसी घटना की संभावना को लगभग 30 गुना बढ़ा दिया है। इसके अलावा, अतिरिक्त वैश्विक तापमान वृद्धि के साथ इसी तरह की घटनाओं की संभावना बढ़ती रहेगी।

अनुपम मिश्र को साल 1996 में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने इंदिरा गांधी पर्यावरण पुरस्कार से सम्मानित किया था। जमना लाल बजाज पुरस्कार सहित कई अन्य पुरस्कार भी उनके नाम हैं। अनुपम के पिता भवानी प्रसाद मिश्र हिंदी के प्रख्यात कवि थे।जल संरक्षण के क्षेत्र में उन्होंने काफी योगदान दिया है। भारत के गांवों में घूम-घूमकर वह लोगों को पानी बचाने और जल का संरक्षण करने के पारंपरिक तरीकों के बारे में जागरूक करते थे। भारत के पारंपरिक जल संरक्षण तकनीकों की उनकी समझ को लेकर वह ना केवल भारत, बल्कि विदेशों में भी काफी मशहूर थे। उनकी पुस्तकें, खासकर ''आज भी खरे हैं तालाब'' तथा ''राजस्थान की रजत बूंदें'', पानी के विषय पर प्रकाशित पुस्तकों में मील के पत्थर के समान हैं, और आज भी इन पुस्तकों की विषयवस्तु से कई समाजसेवियों, वाटर हार्वेस्टिंग के इच्छुकों और जल तकनीकी के क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों को प्रेरणा और सहायता मिलती है। सबसे बड़ी खासियत है कि अनुपम जी ने खुद की लिखी इन पुस्तकों पर किसी प्रकार का ''कॉपीराईट'' अपने पास नहीं रखा है। इसी वजह से ''आज भी खरे हैं तालाब'' पुस्तक का अब तक विभिन्न शोधार्थियों और युवाओं द्वारा ब्रेल लिपि सहित 19 भाषाओं में अनुवाद किया जा चुका है। सामाजिक पुस्तकों में महात्मा गाँधी की पुस्तक ''माय एक्सपेरिमेंट्स विथ ट्रुथ'' के बाद सिर्फ़ यही एक पुस्तक ब्रेल लिपि में उपलब्ध है। सन् 2009 तक, इस अनुकरणीय पुस्तक ''आज भी खरे हैं तालाब'' की एक लाख प्रतियाँ प्रकाशित हो चुकी हैं।

सही अर्थों में भारतीय परिवेश, प्रकृति को गहराई तक समझने वाले अद्भुत विचारक,पर्यावरणविद, निश्चित ही अपनी तरह के विरले कर्मयोगी।अनुपम मिश्र जी पानी बचाने के लिए हमेशा आगे रहे, एक बार गांधी शांति प्रतिष्ठान के परिसर में उनसे मिला, साथ में सूचना एवं जनसंपर्क के उपनिदेशक शिवशंकर सिंह पारिजात थे, उन्होंने पूछा - कितना पानी पियोगे - आधा गिलास या उससे ज्यादा या फिर पूरा गिलास, जितना पियोगे उतना ही दूंगा। पानी बहुत कम है। इसे बर्बाद मत करना।

पत्रकार प्रसून लतांत के अनुसार झारखंड में याद करने और उनकी स्मृति में पर्यावरण के क्षेत्र में काम रहे लोंगो को लोगों को सम्मानित किए जाने के कई मायने हैं। एक तो उनके काम की पहचान और अच्छे कार्यो के लिए प्रोत्साहित करना है। अच्छे काम करनेवालें की कमी न हो। उनके मुताबिक उनकी स्मृति में घनश्याम झारखंड, निलय उपाध्याय, बिहार

सुरेश भाई उत्तराखंड, अमरनाथ पटना बिहार, कमल कश्यप दिल्ली, डॉक्टर दुर्गा दत्त पाठक चंपारण, डॉक्टर कुंदन कुमार, राम प्रकाश रवि, सुपोल बिहार, शिरोमणि कुमार भागलपुर, राजेश कुमार सुमन रोसड़ा, बिहार, निर्भय सिंह कटनी मध्य प्रदेश,राकेश कुमार, मुंगेर बिहार, इस्लाम हुसैन उत्तराखंड, प्रेमलता सिंह बिहार, प्रोफेसर डी एन चौधरी, भागलपुर, डॉ उत्तम पीयूष मधुपुर शेखर, रांची,अमित मकरंद, वैशाली, बिहार, समीर अंसारी, देवघर, संदीप कुमार शर्मा, उत्तर प्रदेश संतोष बंसल, दिल्ली,बरखा लकड़ा, झारखंड, संजीव भगत, झारखंड,विनोद भगत झारखंड, धीरज कुमार सिंह, जमुई, संजय कुमार, पटना,प्रमोद झिंझड़े सोलापुर महाराष्ट्र, दर्शन ठाकुर उज्जैन, खेम नारायण शर्मा छत्तीसगढ़, जितेंद्र कुमार समस्तीपुर,, संजय कुमार दरभंगा, नंदकिशोर वर्मा उत्तर प्रदेश, निशांत रंजन सारण को रांची में अनुपम मिश्र की स्मृति में राष्ट्रीय पर्यावरण सेवी सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।झारखंड के संदर्भ मे अनुपम मिश्र को याद किया काफी महत्वपूर्ण है। वे हमेशा कहते थे- हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि कभी भी अकाल अकेले नहीं आता। अच्छे विचारों और अच्छे कामों का अभाव पहले आ जाता है। यहां विचार और काम दोनों में कोई अंतर नहीं है।

झारखंड की बात करें तो जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया और इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद की ओर से राज्य भर के लिए किए गए एक अध्ययन के मुताविक पिछले दो वर्षों में रांची और झारखंड के अन्य हिस्सों में जल स्तर में लगातार गिरावट आ रही है। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में बताया गया कि रांची में अत्यधिक आबादी, पिछले 50 सालों में तालाबों का अस्तित्व खत्म होने, कम बारिश की वजह से घटते जल स्तर की वजह से भी पानी की कमी हुई है। इस हाल में अनुपम मिश्र की पुस्तक आज भी खरे हैं तालाबकी प्रासंगिकता बढ़ गयी है। उनका मानना था कि तालाबों का महत्व न केवल पानी की आपूर्ति में होता है, बल्कि इससे समुदाय के आत्मिक और सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। संस्कृति और परंपराओं के साथ तालाबों के सांस्कृतिक महत्व भी है। उन्होंने विकास की तरफ़ बेतहाशा दौड़ते समाज को कुदरत की क़ीमत समझाने वाले अनुपम ने देश भर के गांवों का दौरा कर रेन वाटर हारवेस्टिंग के गुर सिखाए। वह ज्ञान समय की मांग है। नदी के सवाल पर उनका चिंतन ऋछ– नदी का भी अपना एक धर्म होता है। एक स्वभाव होता है। नदी का धर्म है बहना । बहते रहना।पिछले एक दौर में हमने विकास के नाम पर, तकनीक की सहायता से नदी के इस धर्म को पूरी तरह बदल दिया है। खेती, उद्योग और शहर में पीने का पानी जुटाने हमने गंगा समेत हर नदी से पानी खींच लिया है। साफ पानी लिया है और फिर इन तीनों गतिविधियों से दूषित हुआ पानी वापस नदियों में डाल दिया है। (लेखक- कुमार कृष्णन/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 8136

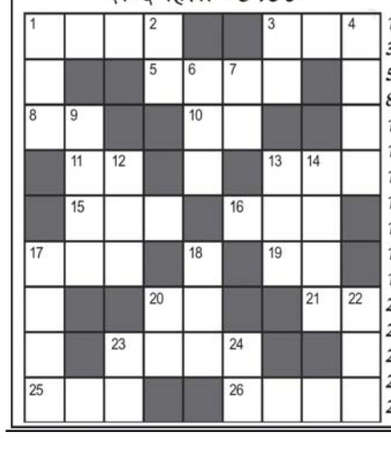

बाएँ से दाएँ

1.अँगरखा-4
3.मान-सम्मान,इज्जत-3
5.शुभाशीर्वाद,नियामत-4
8.केश-2
10.कसम,प्रतिज्ञा,वचन-2
11.बुरी आदत-2
13.मगरमच्छ-3
15.परिणाम-3
16.माँड़ी,स्टार्च-3
17.अक्षर (उर्दू-3)
19.रोम,केश-2
20.अधिकार,आरोप-2
21.सतह,स्तर,पटल-2
23.लूटपाट,डाका-4
25.सभ्यीकरण,विवेक-3
26.एक प्रसिद्ध कवि-4

ऊपर से नीचे

1.अनोखा,विचित्र,विलक्षण-3
2.नया,नवीन-2
3.इज्जत-2
4.कपोल-4
6.गमन,प्रेषित-3
7.पिता के पिता-2
9.चुनौती-4
13.गंदगी का ढ़ेर-3
14.असावधानी-4
17.जेल,कालकोठरी-4
18.शोर,ध्वनि,कंपन्न-3
20.ताप,शवदाह-2
22.यज्ञ,आहुति दान-3
23.रहस्य-2
24.जल, पानी-3

शब्द पहेली -8135 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

एम्मा राडुकानू पैर की चोट के कारण क्वार्टर फाइनल से रिटायर

सोल (ईएमएस)। ब्रिटिश टेनिस स्टार एम्मा राडुकानू को लगातार पैर की चोट के कारण शीर्ष वरीयता प्राप्त रूस की डारिया कसात्किना के खिलाफ कोरिया ओपन के क्वार्टर फाइनल से हटने का फैसला किया है। 21 वर्षीय खिलाड़ी, जिसने यू युआन के खिलाफ अपने पिछले मैच में एम्मा के साथ असुविधा के लक्षण दिखाए थे, विश्व नंबर 13 के खिलाफ शुरू से ही संघर्ष करती रही। पहले सेट के पांचवें गेम के बाद एम्म को मेडिकल टाइमआउट की आवश्यकता थी, लेकिन खेल जारी रखने के प्रयासों के बावजूद उन्होंने शुरुआती सेट 6-1 से हारने के बाद अंततः रिटायर होने का फैसला कर लिया। चोट से उबरना बहुत मुश्किल साबित हुआ, जिससे सोल में उनका अभियान छोटा हो गया।

अपने आखिरी मैच में राडुकानू ने चीन की यू युआन पर सीधे सेटों में जीत हासिल की। दुनिया में 70वें स्थान पर काबिज ब्रिटिश खिलाड़ी ने लगातार छह गेम जीतकर पहला सेट अपने नाम कर दूसरे पर कब्ज़ा कर लिया। उसने अंततः अपने सातवें मैच प्वाइंट को बदलकर 6-4, 6-3 से जीत हासिल की और सोल में क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कसात्किना का सामना हमवतन डायना श्नाइडर या यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक से होगा।

एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर के लिए हरमनप्रीत सिंह नॉमिनेट

नई दिल्ली (ईएमएस)। एफआईएच हॉकी प्रो लीग और पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए चुना गया है। 28 वर्षीय डिफेंडर ने इससे पहले 2020-21 और 2021-22 में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जीता था। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए फिर से चुना जाना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों में शामिल होने पर मैं बहुत खुश हूं, लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि यह मेरी टीम के समर्थन के बिना संभव नहीं हो पाता। एफआईएच हॉकी प्रो लीग और पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में मैंने जितने भी गोल किए हैं, वे सब टीम की बदौलत ही संभव हो पाए हैं।

हरमनप्रीत को 2024 में आयोजित सभी अंतरराष्ट्रीय मैचों को ध्यान में रखने के बाद थियरी ब्रिंकमैन (नीदरलैंड), जोएप ड

सरकार और संगठन मुनाफाखोरी पर लगाएंगे लगाम

नई दिल्ली (ईएमएस)। सीमा शुल्क बढ़ने के बाद खाने के तेलों के भाव बढ़ाए जाने की खबरों के बीच कारोबारी संगठनों ने मुनाफाखोरी करने वालों के खिलाफ मुहिम छेड़ दी है। सरकार पहले ही कारोबारी संगठनों को निर्देश दे चुकी है कि त्योहारी सीजन में कीमत नहीं बढ़ाई जाए क्योंकि देश में करीब दो महीने का खाने के तेलों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। सरकार और कारोबारी संगठनों की सख्ती की वजह से त्योहारी सीजन में खाने के तेलों के दाम स्थिर रह सकते हैं। उद्योग जगत के लोगों को कहना है कि आगामी त्योहारी मौसम के दौरान खाद्य तेलों के भाव दाम में कोई उछाल आने की आशंका नहीं है।

नंदिनी ब्रांड से खाद्य तेल उत्पादक कंपनी एनके प्रोटेनिस प्राइवेट लिमिटेड के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी कहते हैं कि आयात शुल्क में बढ़ोतरी का असर त्योहारी सीजन में नहीं पड़ने वाला है क्योंकि करीब 45 दिनों का स्टॉक पोर्ट में पड़ा है। इसके अलावा करीब 20 दिन का माल कारोबारियों के पास जमा है। इस तरह डेढ़ दो महीने का स्टॉक देश में मौजूद है। अगले महीने से नई फसल आना शुरू हो जाएगी जिससे इसका असर कम होगा। फिलहाल त्योहारी सीजन में कीमतें नहीं बढ़ने वाली है और इसके बाद भी खाद्य तेलों के दाम 10 फीसदी से ज्यादा नहीं बढ़ेगे। इसका सबसे ज्यादा फायदा किसानों को होगा, जब किसानों को फायदा होगा तो घरेलू उत्पादन बढ़ेगा। आयात कम होगा जो देश के लिए फायदेमंद होगा। यानी सरकार का यह फैसला किसान और देश हित में है।

भारत का यूरोपीय संघ से आयातित वस्तुओं पर जवाबी सीमा शुल्क लगाने का प्रस्ताव

मुंबई (ईएमएस)। भारत ने यूरोपीय संघ से आयातित कुछ वस्तुओं पर जवाबी सीमा शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। इस्पात उत्पादों पर यूरोपीय संघ के सुरक्षा उपायों पर आम सहमति नहीं बनने के बाद भारत ने यह फैसला ?किया है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) को भेजे गए एक संदेश में भारत सरकार ने कहा कि रियायतों का निलंबन यूरोपीय संघ में उत्पादित चुनिंदा उत्पादों पर सीमा शुल्क बढ़ाने का काम करेगा। वर्ष 2018 से 2023 तक यूरोपीय संघ के सुरक्षा उपायों की वजह से भारत को 4.41 अरब डॉलर का कुल व्यापार घाटा हुआ है जिस पर शुल्क संग्रह 1.10 अरब डॉलर होगा। इस हिसाब से भारत द्वारा रियायतों को निलंबित किए जाने पर यूरोपीय संघ में उत्पादित माल पर समान राशि का शुल्क एकत्रित होगा। इस संदेश के मुताबिक पर्याप्त रूप से समान रियायतों को निलंबित करने के अपने अधिकार के प्रभावी प्रयोग के लिए भारत प्रस्तावित निलंबन को तुरंत प्रभावी करने और उत्पादों के साथ सीमा शुल्क दरों को समायोजित करने का अधिकार भी सुरक्षित रखता है। भारत अगले उचित कदमों के बारे में माल व्यापार परिषद और सुरक्षा समिति दोनों को सूचित करेगा। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यूरोपीय संघ ने 25 प्रतिशत के कोटा-मुक्त शुल्क के साथ कुछ इस्पात उत्पाद श्रेणियों के आयात पर सुरक्षा शुल्क को 2026 तक बढ़ा दिया है। इसे पहली बार वर्ष 2018 में लगाया गया था जो बाद में जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था। यूरोपीय संघ ने 29 मई, 2024 को कुछ इस्पात उत्पादों के आयात पर सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के अपने प्रस्ताव के बारे में डब्ल्यूटीओ को सूचित किया। भारत इस उपाय से प्रभावित देशों में से एक है। वित्त वर्ष 2023-24 में यूरोपीय संघ को भारत का लौह एवं इस्पात और उनके उत्पादों का निर्यात बढ़कर 6.64 अरब डॉलर हो गया जो 2022-23 में 6.1 अरब डॉलर था।

हवाई टिकट के भाव बढ़े, दीवाली पर यात्रियों को देना होगा ज्यादा किराया

मुंबई (ईएमएस)। दीवाली के आसपास फ्लाइट टिकट तेजी से महंगे होते जा रहे हैं। एयरलाइन्स की बुकिंग में भी लगभग दोगुना उछाल आया है। एक रिपोर्ट में दी गई जानकारी के अनुसार दीवाली की फ्लाइट बुकिंग्स में करीब 85 फीसदी की तेजी आई है। लोग औसतन 27 दिन पहले ही अपना टिकट बुक कर ले रहे हैं। किराया भी लगभग 15 फीसदी बढ़ चुका है।

पिछले साल हवाई किराया दीवाली से एक हफ्ते पहले तक दोगुना हो चुका है। ऐसे आशंका जताई जा रही है कि इस साल भी किराया तेजी से उछाल मारेगा। एयरलाइन्स को सबसे ज्यादा बुकिंग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, गुवाहाटी, जयपुर, चेन्नई, लखनऊ, पोर्ट ब्लेयर और पटना जैसी जगहों की मिल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गुवाहाटी के लिए सबसे ज्यादा 386 फीसदी बुकिंग बढ़ी है। लोग त्यौहार पर अपने घर जाने के लिए लालायित हैं। इसके बाद जयपुर के लिए 306 फीसदी और पटना के लिए 271 फीसदी बुकिंग बढ़ी हैं। अन्य शहरों की बुकिंग में भी तेज उछाल जारी है। एक ट्रेवल वेबसाइट ने अगस्त से ही दीवाली फ्लाइट्स की बुकिंग के लिए विशेष अभियान चला दिया था। साथ ही चेतावनी भी दी थी कि जल्द ही किराया बढ़ने वाला है। बताया जा रहा है ?कि दीवाली के आसपास बुकिंग लगभग 15 फीसदी बढ़ गई है। दीवाली के अलावा छठ पूजा और गोवर्धन पूजा तक फ्लाइट टिकट हर साल काफी महंगे रहते हैं।

मोबाइल सेवा शुल्क बढ़ने से जुलाई में ग्राहकों की संख्या घटी

- बीएसएनएल ने जोड़े सबसे ज्यादा नए ग्राहक

नई दिल्ली (ईएमएस)। जुलाई 2024 में मोबाइल सेवा शुल्क बढ़ने के बाद टेलीकॉम कंपनियों रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों की संख्या में गिरावट देखी गई। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा जारी मासिक रिपोर्ट के अनुसार जुलाई में देश के कुल मोबाइल ग्राहक घटकर 120 करोड़ 51.7 लाख रह गए, जो जून में 120 करोड़ 56.4 लाख थे। रिपोर्ट के मुताबिक भारती एयरटेल ने जुलाई में 16.9 लाख ग्राहक खो दिए, जो अन्य कंपनियों के मुकाबले सबसे ज्यादा नुकसान था। वोडाफोन आइडिया ने 14.1 लाख ग्राहक गंवाए, जबकि रिलायंस जियो ने 7.58 लाख ग्राहकों का नुकसान उठाया। पिछले दो-तीन वर्षों में एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने अपनी प्रारंभिक मोबाइल सेवा दरों को दोगुना से अधिक बढ़ाकर 199 रुपये प्रति 28 दिन कर दिया है। इस शुल्क वृद्धि से ग्राहकों पर वित्तीय दबाव बढ़ा, जिसके परिणामस्वरूप ग्राहक आधार में कमी आई। इसके विपरीत, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) एकमात्र सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी रही, जिसने नए ग्राहकों की संख्या में वृद्धि दर्ज की। जुलाई में बीएसएनएल ने 29.4 लाख नए मोबाइल उपभोक्ताओं को जोड़ा, जिससे यह कंपनियों के बीच नए ग्राहक जोड़ने में अग्रणी रही। इस प्रदर्शन के चलते बीएसएनएल ने अपनी स्थिति को मजबूत किया, जबकि निजी क्षेत्र की कंपनियों को गिरावट का सामना करना पड़ा। मोबाइल सेवा दरों में वृद्धि का प्रभाव विभिन्न दूरसंचार सर्किलों में देखने को मिला, जैसे पूर्वोत्तर, महाराष्ट्र, राजस्थान, मुंबई, कोलकाता, तमिलनाडु, पंजाब, बिहार, पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, और आंध्र प्रदेश। इन क्षेत्रों में ग्राहक आधार में गिरावट दर्ज की गई, जो शुल्क वृद्धि के कारण उपभोक्ताओं के असंतोष को दर्शाती है।

आरटीआईः सेबी ने बुच के बारे में जानकारी देने से किया इनकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत जानकारी मांगे जाने पर कहा कि हितों के संभावित टकराव के कारण सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच के मामलों से खुद को अलग कर लेने के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है और उन्हें जुटाने पर उसे अपने संसाधनों का अपव्यय करना होगा। पारदर्शिता के लिए काम कर रहे कमोडोर लोकेश बत्रा (सेवानिवृत्त) की तरफ से दाखिल एक आरटीआई आवेदन के जवाब में सेबी ने कहा कि अपने और परिजनों के पास मौजूद वित्तीय परिसंपत्तियों और इक्विटी के बारे में बुच की तरफ से सरकार और सेबी बोर्ड को की गई घोषणाओं की प्रतियां नहीं दी जा सकती हैं।

सेबी ने इस ब्योरे को व्यक्तिगत जानकारी बताते हुए कहा कि उनके खुलासे से व्यक्तिगत सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इसके साथ ही सेबी ने उन तारीखों की जानकारी देने से भी इनकार कर दिया जब ये खुलासे किए गए थे। सेबी के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) ने उन घोषणाओं की प्रति देने से इनकार करने के लिए व्यक्तिगत जानकारी और सुरक्षा को आधार बनाया है। आरटीआई आवेदन के जवाब में सेबी ने कहा ?कि मांगी गई जानकारी आपसे संबंधित नहीं है और यह व्यक्तिगत जानकारी से संबंधित है। इसके खुलासे का किसी सार्वजनिक गतिविधि या हित से कोई संबंध नहीं है। यह व्यक्ति की निजता में अनुचित हस्तक्षेप का कारण बन सकता है और व्यक्ति के जीवन या शारीरिक सुरक्षा को भी खतरे में डाल सकता है।

रूस के दो लोगों ने अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने का रिकॉर्ड बनाया

मास्को (ईएमएस)। रूस के दो नागरिकों ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में सबसे लंबे समय तक लगातार रहने का रिकॉर्ड बनाया। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रॉसकॉस्मोस ने कहा कि ओलेग कोनोनेंको और निकोलाई चूब ने 370 दिन, 21 घंटे और 22 मिनट का पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जो सितंबर 2023 में रूस के सर्गेई प्रोकोपीव और दमित्री पेटेलिन तथा अमेरिकी फ्रांसिस्को रुबियो द्वारा स्थापित किया गया था। चूब और कोनोनेंको के रिकॉर्ड में सोमवार को पृथ्वी पर लौटने से पहले कई दिन और जुड़ जाएंगे। कोनोनेंको (59) के नाम अंतरिक्ष में बिताए गए समय के अन्य रिकॉर्ड भी हैं। अगले सप्ताह कजाकिस्तान पहुंचने तक वे पांच अभियानों के दौरान 1,110 दिन अंतरिक्ष में बिता चुके होंगे।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उतार-चढ़ाव

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम पर आधारित होती हैं। बता दें कि भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के दाम तय करती हैं। जिसके बाद हर सुबह 6 बजे सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोल और डीजल का नए भाव अपडेट करती है। ऐसे ही तेल कंपनियों ने 21 सितंबर श?निवार के लिए पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। जिसके मुताबिक देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल मंहगा हो गया है। वहीं कुछ राज्यों ऐसे है जहां में पेट्रोल डीजल सस्ता भी हुआ है। इसके इलावा कई राज्य ऐसे है जहां इनके दाम स्थिर है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.76 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.43 रुपये और डीजल 89.95 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.93 रुपये और डीजल 91.75 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल 100.73 रुपये और डीजल 92.32 रुपये प्रति लीटर है।

लैपटॉप, टैबलेट की आयात प्रबंधन व्यवस्था तीन महीने और बढ़ेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार लैपटॉप और टैबलेट सहित कुछ आईटी हार्डवेयर उत्पादों के आयात प्रबंधन के लिए लागू मौजूदा व्यवस्था को तीन महीने बढ़ाने पर ?विचार कर रही है। मौजूदा व्यवस्था की 30 सितंबर तक समीक्षा की जानी है। एक अधिकारी ने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में लैपटॉप एवं टैबलेट जैसे उत्पादों का आयात 8.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया जबकि आयात के लिए सरकारी मंजूरी लगभग 9.5 अरब अमरीकी डॉलर की ही थी। इनमें से अधिकतर आयात चीन से हुआ। सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर और कुछ अन्य आईटी हार्डवेयर उत्पादों के आयात के लिए आयात प्रबंधन एवं अनुमति व्यवस्था शुरू की थी।

इस व्यवस्था का मकसद बाजार की आपूर्ति पर असर डाले बगैर देश में इन वस्तुओं की आवक पर नजर रखना था। आयातकों को इन उत्पादों के आयात के लिए विभिन्न श्रेणियों में आवेदन करने की अनुमति है। मौजूदा समय में दी गई मंजूरियां 30 सितंबर, 2024 तक वैध रहेंगी। इस तारीख तक आयात की किसी भी मात्रा के लिए प्राधिकार पत्र जारी किए जाएंगे।

यह व्यवस्था लागू होने के पहले दिन यानी एक नवंबर, 2023 को सरकार ने एप्पल, डेल और लेनोवो सहित 100 से अधिक कंपनियों के आवेदनों को मंजूरी दी थी। इन कंपनियों ने करीब 10 अरब डॉलर मूल्य के आईटी हार्डवेयर उत्पादों के आयात की अनुमति मांगी थी। नाम उजागर न करने की शर्त पर अधिकारी ने कहा ?कि मौजूदा व्यवस्था के विस्तार के लिए कंपनियों की तरफ से औपचारिक अनुरोध आ रहा है। तीन महीने के विस्तार के साथ यह मंजूरी पूरे साल के लिए हो जाएगी। ऐसे में इस साल कोई भी गतिरोध नहीं ?दिखाई दे रहा है।

चीन में बेरोजगारी चरम पर, बच्चे पैदा करने की जगह कुत्ते और बिल्ली पाल रहे लोग

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में हुई अजीब घटना से पूरी सरकार बुरी तरह से घबरा गई है। पूरा भारत भी इस खबर को सुनकर हैरान होगा। चीन में ऐसा बवाल शुरू हुआ है कि इस साल बच्चों से ज्यादा पालतू कुत्ते और बिल्ली हो जाएंगे। यानी खुद को महाशक्ति बोलने वाले चीन में अब बच्चों से ज्यादा पालतू जानवर होंगे। रिपोर्ट कहती है कि इस साल के आखिर तक चीन के शहरों में पालतू जानवरों की संख्या चार साल के उम्र के बच्चों से भी ज्यादा होगी। जानकारों ने कहा कि चीन में युवा जोड़े बेरोजगारी की वजह से कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

इन लोगों के लिए बच्चे पालना काफी महंगा होचुका है। इसकारण अब चीन के लोग बच्चों की जगह पालतू जानवर पाल रहे हैं। इसमें सबसेज्यादा कुत्ते और बिल्ली शामिल है। कईचीनी जोड़े बच्चों के लिए नहीं इसके बजाय,वे पालतू माता-पिता बन गए हैं। अनुमान के अनुसार, 2030 तक सिर्फ शहरी चीन में पालतू जानवरों की संख्या देशभरमें छोटे बच्चों की संख्या से लगभग दोगुनी होगी। यदि ग्रामीण क्षेत्रों में कुत्तों और बिल्लियों की संख्या को शामिल किया जाए, तब देश की पालतू स्वामित्व दर और भी अधिक होगी।

वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत में उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत पर जोर देकर कहा है कि वैश्विक उत्पादन में चीन का प्रभुत्व है, इसलिए वह बेरोजगारी नहीं है, जबकि भारत और अमेरिका सहित पश्चिमी देश बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहे हैं। लेकिन आपको ये जानकर हैरानी होगी कि जुलाई के महीने में चीन में युवाओं की बेरोजगारी दर 17 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

515 रन स्कोर के नीचे दबी बांग्लादेश की टीम,आज मिलेगी खुशखबरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। ओपनर शुभमन गिल और विकेटकीपर ऋषभ पंत के शानदार शतक के बदौलत भारतीय टीम ने चेन्नई टेस्ट मैच में जीत की ओर बढ़ गई है। भारत ने बांग्लादेश को 515 रन का टारगेट दिया है। मेहमान टीम इस पहाड़नुमा लक्ष्य के सामने दबती दिख रही है। टीम ने दूसरी पारी में 158 रन पर 4 विकेट गंवा दिए हैं। बांग्लादेश को जीत के लिए अभी 357 रन दरकार हैं। तीसरे दिन का खेल खराब रोशनी की वजह से जल्दी खत्म किया गया। आर अश्विन ने दूसरी पारी में बांग्लादेश की पारी को हिला दिया। उन्होंने 3 विकेट और जसप्रीत बुमराह ने एक विकेट लेकर मेहमान टीम के सामने हार का संकट पैदा कर दिया। टीम इंडिया को चौथे दिन बड़ी जीत मिल सकती है। इस जीत में सुबह का सेशन अहम रहेगा। भारतीय गेंदबाज पहले सेशन में बांग्लादेश के 6 विकेट लेकर जीत हासिल करना चाहेंगे।

बांग्लादेश की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी हुई। उसके ओपनर्स ने पहले विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी की। लेकिन तभी साझेदारी को जसप्रीत बुमराह ने तोड़ा। बुमराह ने जाकिर हसन को 33 के निजी स्कोर पर यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराकर भारत को पहली सफलता दिलाई। जाकिर 33 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अश्विन ने दूसरे ओपनर शादमान इस्लाम को 35 के स्कोर पर और मोमिनुल हक को अश्विन ने 13 रन पर बोल्ड कर दिया। मुशफिकुर रहीम भी 13 रन बनाकर आउट हुए।

इसके पहले, भारत ने तीसरे दिन के खेल की शुरुआत 3 विकेट पर 81 रन से आगे खेलना शुरू किया। शुभमन गिल और ऋषभ पंत संभलकर शुरुआत की। दोनों ने अपने अपने शतक पूरे किए। गिल 176 गेंदों पर 10 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 119 रन बनाकर नाबाद लौटे। वहीं पंत 128 गेंदों पर 109 रन बनाकर आउट हुए। पंतने 13 चौके और 4 छक्के जड़े। केएल राहुल 19 गेंदों पर 22 रन बनाकर नाबाद लौटे। बांग्लादेश की ओर से मेहदी हसन मिराज ने 2 विकेट लिए।

पंत ने टेस्ट करियर का छठा शतक जड़ा। पंत ने पिछला टेस्ट बांग्लादेश के खिलाफ ही 2022 में खेला था। उन्होंने तब मीरपुर टेस्ट में 93 रन की पारी खेली थी और भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं गिल 2024 में भारत की ओर से टेस्ट में सर्वाधिक सेंचुरी जड़ने वाले बल्लेबाज बने हैं। गिल ने इस साल 7 टेस्ट में तीन शतक जड़ दिए हैं। केएल राहुल ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 8000 रन भी पूरे किए। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप इतिहास में गिल का यह पांचवां शतक है।

अमेरिकी यात्रा पर पीएम मोदी.....खालिस्तान समर्थक सिखों से मिला बाइडेन प्रशासन

वॉशिंगटन (ईएमएस)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्वाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने शनिवार को अमेरिका पहुंच रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की तीन दिन की यात्रा पर भारत और अमेरिका ही नहीं दुनिया की नजरें है। वहीं पीएम मोदी के इस दौरे से ठीक पहले अमेरिका ने कुछ ऐसा किया है, जो भारत को नाराज कर रहा है। ये मामला खालिस्तानी पन्नू की हत्या की साजिश से जुड़ा है। अमेरिका के शीर्ष अधिकारियों ने खालिस्तान समर्थक सिख नेताओं से मुलाकात की है। वहीं एनएसए अजीत डोभाल को भी अमेरिकी कोर्ट ने समन जारी किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने सिख नेताओं से मुलाकात की। व्हाइट हाउस और अमेरिकी खुफिया अधिकारियों के साथ सिख नेताओं की यह बैठक जो बाइडन और नरेंद्र मोदी से मुलाकात से दो दिन पहले हुई।

अमेरिका की ओर से भारत पर गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ हत्या की साजिश के मामले में उंगली उठाई गई है। इस बैठक में अमेरिकी अधिकारियों ने सिख नेताओं को इस संबंध में भारत के साथ सरकार की चल रही बातचीत के बारे में जानकारी दी। वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने सिख समुदाय को आश्वस्त करने की कोशिश की कि उनकी सुरक्षा के लिए सभी कदम उठाए जाएंगे। बैठक में शामिल हुए अमेरिकन सिख कॉकस कमेटी के संस्थापक प्रीतपाल सिंह ने कहा, हमने अपने समुदाय की सुरक्षा में सतर्कता के लिए वरिष्ठ संघीय सरकारी अधिकारियों को धन्यवाद किया। हाल ही में पन्नू ने खुद को मारने की कोशिश को लेकर भारत के खिलाफ एक नागरिक मुकदमा भी दायर किया है।

ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय जासूस मामले में अमेरिका और कनाडा से अलग रुख अपनाया

वाशिंगटन,(ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने भारतीय जासूस के कथित मामले पर अमेरिका और कनाडा से अलग रुख अपनाते हुए कहा कि इस तरह के मामलों को निजी तौर पर और राजनयिक तरीके से उठाया जाता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका में इस सप्ताह के अंत में क्वाड शिखर सम्मेलन होने वाला है, जिसमें भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अल्बानीज भी भाग लेंगे।

अमेरिका की यात्रा के दौरान ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री से भारतीय जासूस से जुड़े आरोपों पर सवाल किया गया था। जवाब में अल्बानीज ने स्पष्ट किया किवे इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से चर्चा करने के बजाय इसे निजी और कूटनीतिक स्तर पर उठाना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, मैंराजनयिक तरीके से काम करता हूं और चर्चाएं निजी तौर पर करता हूं। निस्संदेह, यह मामला उठाया जाएगा, लेकिन भारत औरऑस्ट्रेलियाकेबीच संबंध बेहद मजबूत हैं।

आॉस्ट्रेलिया का यह रुख अमेरिका और कनाडा से भिन्न है। खासतौर पर तब जबकि अमेरिका और कनाडा द्वारा भारत पर अपने ही नागरिकों को निशाना बनाने और चुनावों में हस्तक्षेप जैसे आरोप लगाए गए हैं। कनाडा में तो इस मुद्दे पर न्यायिक जांच भी हो रही है और संसद में बहस छिड़ी हुई है। कनाडा की सुरक्षा एजेंसी ने भारत पर चुनावों में हस्तक्षेप का आरोप लगाया था। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया ने इस मामले में अपने फाइव आइज गठबंधन के सदस्यों (अमेरिका, यूके, कनाडा और न्यूजीलैंड) से एक अलग रुख अपनाया है। बताते चलें कि फाइव आइज एक खुफिया साझेदारी है, जिसके सदस्य अक्सर राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में सहयोग करते हैं। प्रधानमंत्री अल्बानीज की इस टिप्पणी को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, खासतौर पर ऐसे समय में जबकि वे क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए अमेरिका दौरे पर हैं।

लेबनान में पेजर ब्लास्ट से जुड़ा केरल का नाम- यहां के एक दर्जी के बेटे ने लगाया था दिमाग

बेरुयत(ईएमएस)। लेबनान में हुए पेजर्स और वॉकी-टॉकी में धमाकों ने पूरी दुनिया का दिमाग हिला दिया है।कई एंगलों पर चल रही जांच में तरह तरह के कारण आ रहे हैं। लोग हैरान हैं कि आखिर इतना दिमाग लगाया किसने? इसके पीछे एक भारतीय का नाम भी सामने आ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, हिजबुल्लाह के पेजर डील में नॉर्टा ग्लोबल लिमिटेड नाम की एक बुलगेरियाई कंपनी शामिल थी। इस कंपनी की स्थापना नॉर्वे के नागरिक रिंसन होज़े ने की थी। बताया जाता है कि होज़े का जन्म केरल के वायनाड में हुआ था। वहां से एमबीए पूरा करने के बाद वह नॉर्वे चले गए थे। केरल के प्रमुख अखबार के अनुसार, रिंसन के पिता होज़े मुथेदम यहां मनांथावड़ी की दुकान में दर्जी का काम करते थे, उन्हें इलाके में 'टेलर होज़े' के नाम से जाना जाता है। ऐसे में यह जानना दिलचस्प है कि केरल के एक साधारण से परिवार में जन्मा रिंसन होज़े का नाम कैसे लेबनान के पेजर ब्लास्ट से जुड़ गया। दरअसल हिजबुल्लाह सदस्यों के हजारों पेजर फटने के बाद सबसे पहला ध्यान पेजर बनाने वाली कंपनी पर गया। इन पेजर्स पर ताइवानी कंपनी गोल्ड अपोलो का ब्रांड नाम था। हालांकि, गोल्ड अपोलो के संस्थापक और अध्यक्ष सू चिंग-कुआंग ने सफाई देते हुए कहा कि 'ये पेजर्स हमारे नहीं हैं। इस पर सिर्फ हमारा ब्रांड था'।

नॉर्वेजियन नागरिक बन चुके रिंसन होजे ने 2022 में नॉर्टा ग्लोबल की स्थापना की थी। यह बुल्गारिया की राजधानी सोफिया के एक आवासीय पते पर स्थित था। हालांकि बल्गेरियाई सुरक्षा एजेंसी सांस की जांच में कहा गया है कि पेजर का कोई शिपमेंट उनके देश से नहीं गुजरा और इस तरह रिंसन होज़े और उनके नॉर्टा ग्लोबल को क्लीन चिट मिल गई। कुआंग ने इस पेजरों को हंगरी की एक कंपनी बीएसी कंसल्टिंग से जोड़ा। उन्होंने कहा कि वे पेजर बुडापेस्ट स्थित कंपनी ने बनाए थे, जिसका उनकी फर्म के साथ तीन साल का लाइसेंस समझौता था। हालांकि, हंगरी के मीडिया आउटलेट टेलेक्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि बीएसी कंसल्टिंग 'लेन-देन में बस एक बिचौलिया था'। टेलेक्स ने बताया कि बीएसी का कोई ऑफिस भी नहीं था और यह बस एक पते पर रजिस्टर्ड था। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि बीएसी कंसल्टिंग इजरायल द्वारा स्थापित एक फर्जी फर्म हो। टेलेक्स ने बताया, 'बीएसी कंसल्टिंग की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टियाना बार्सनी-आर्किडियाकोनो ने सोफिया स्थित एक बल्गेरियाई कंपनी, नॉर्टा ग्लोबल लिमिटेड के साथ सौदा किया।' बताया जाता है कि बुल्गारिया स्थित इस नॉर्टा ग्लोबल की स्थापना केरल के वायनाड में जन्मे रिंसन होज़े ने की थी।

बाप रे बाप.....इस देश में एक-दूसरे की बीवियों को चुराने की परंपरा

साहेल (ईएमएस)। दुनियाभर में कई ऐसी जनजातियां हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। ये जनजातियां अपने आप में किसी रहस्य से कम नहीं हैं। इन समाज का अपना एक अलग ही कायदा और कानून होता है। किसी जनजाति में मर्दानगी साबित करने के लिए खतरनाक चीटिंयों से खुद कटवाना पड़ता है, तब किसी ट्राइब की महिलाएं शादी से पहले ही अपने पसंदीदा पुरुष से सुहागरात मना लेती हैं। ऐसी ही एक रहस्यमय जनजाति का नाम वोदाबे ट्राइब है, जो पश्चिमी अफ्रीका में रहती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस जनजाति के लोगों में एक-दूसरे की बीवियों को चुराने की अजीबोगरीब परंपरा है। लेकिन उसके पहले एक काम करना होता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, वोडाबे ट्राइब के लोग बहुविवाही होते हैं और उनके विवाह दो प्रकार के होते हैं। पहली पारंपरिक रूप से आयोजित विवाह और दूसरी अपनी पसंद से की गई शादी। इस तरह पहली बार इस जनजाति में घर-परिवार के लोग मिलकर अपने बच्चों की पहली शादी करवाते हैं। लेकिन किसी कारणवश अगर कोई दूसरी शादी करना चाहता है, तब इसका तरीका थोड़ा अलग है। सामान्य तौर पर हमारे समाज में दूसरी शादी भी किसी पहचान वाली लड़की से करा दी जाती है, लेकिन इस जनजाति में ऐसा नहीं होता है। सिर्फ पहली शादी का जिम्मा ही घरवाले उठाते हैं, दूसरी शादी के लिए मर्दों को किसी दूसरे की बीवी को चुराना पड़ता है। अगर कोई मर्द दूसरों की बीवियों को नहीं चुरा सकता है, तब उसकी दूसरी शादी नहीं होती है।

पश्चिमी अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में जानवर चराने वालों और व्यापारियों की ये खानाबदोश जनजाति अपने विस्तृत परिधान और सांस्कृतिक समारोहों के लिए जानी जाती है। दूसरी शादी के लिए भी इनके यहां त्यौहार का आयोजन होता है, जिसका नाम गेरेवोल फेस्टिवल है। इसी त्यौहार में दूसरी शादी के लिए बेताब मर्द दूसरों की बीवियों को चुराकर ले जाते हैं। लेकिन दूसरों की बीवी की चोरी इतनी आसान भी नहीं होती। इसके पहले उन्हें एक काम करना होता है, जिसके तहत दूसरी शादी करने वाले मर्द सज-धज कर अपने चेहरे रंग लेते हैं। इसके बाद डांस और तरह-तरह के क्रिया-कलापों से दूसरे की बीवियों को रिझाने की कोशिश करते हैं। साथ ही ध्यान रखते हैं कि उन महिलाओं के पतियों को इसकी जानकारी न हो। इसके बाद अगर महिला को दूसरा पुरुष पंसद आ जाता है, तब वह उसके साथ भाग जाती है।बाद में उस समुदाय के लोग दोनों को ढूंढकर शादी करा देते हैं।इस दूसरी शादी को लव मैरिज के तौर पर स्वीकार कर लिया जाता है।

ब्रिटेन में तूफान, ओलावृष्टि और भारी बारिश की चेतावनी

लंदन,(ईएमएस)। भारत में खराब मौसम के बाद अब ब्रिटेन में भी मौसम विभाग ने गंभीर चेतावनी जारी की है। शनिवार को ब्रिटेन के कई हिस्सों में तूफान और ओलावृष्टि के कारण जीवन के लिए खतरा पैदा हो जाने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें कुछ ही घंटों में 70 मिलीमीटर तक बारिश की संभावना है। यह अलर्ट विशेष रूप से वेल्स, दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड, मिडलैंड्स और दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड के कुछ हिस्सों के लिए जारी किया गया है।

यहां बताते चलें कि शुक्रवार को भी दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड, वेल्स के कुछ हिस्सों, मिडलैंड्स और पश्चिमी लंदन के लिए चेतावनी जारी की गई थी। मौसम विभाग ने बताया कि तूफानी हवाओं की रफ्तार 500 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। इसके साथ ही बिजली गिरने, ओलावृष्टि और भारी बारिश से इमारतों को नुकसान पहुंचने, सार्वजनिक परिवहन में बाधा उत्पन्न होने और बाढ़ की आशंका भी जताई गई है।

मौसम विभाग के मुख्य मौसम विज्ञानी जेसन केली ने कहा, यह चेतावनी उन क्षेत्रों के लिए जारी की गई है जहां गरज के साथ भारी बारिश का सबसे अधिक जोखिम है। उप मुख्य मौसम विज्ञानी डैन हैरिस ने भी अगले हफ्ते भारी बारिश की संभावना जताई है, जिससे सोमवार के लिए भी नई चेतावनी जारी की जा सकती है। इस खराब मौसम को देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है, विशेषकर वेल्स, दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड और मिडलैंड्स में। तूफानी हवाओं के साथ ओले गिरने और बिजली गिरने से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की चेतावनी दी गई है।

इजरायल का बेरुत पर हवाई हमला, हिज्बुल्लाह कमांडर अकील समेत 59की मौत

तेल अवीव,(ईएमएस)। इजरायली सेना ने शुक्रवार को बेरूत में हवाई हमला किया, जिसमें हिज्बुल्लाह के शीर्ष सैन्य कमांडर इब्राहिम अकील समेत सात की मौत हो गई और 59 लोग घायल हो गए। इजरायल-हमास युद्ध की शुरुआत के बाद से बेरूत के दक्षिणी में होने वाला यह तीसरा हवाई हम

गुजरात हाईकोर्ट का बड़ा फैसला : शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाना दुष्कर्म नहीं

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के एक मामले में बड़ा फैसला दिया है हाईकोर्ट ने कहा कि कोई व्यक्ति बालिग महिला के साथ वादा करता है और उसके बाद उन दोनों के बीच शारीरिक संबंध बनते हैं तो उस व्यक्ति पर दुष्कर्म का मुकद्दमा चलाया नहीं जा सकता उस व्यक्ति पर तब भी दुष्कर्म का केस नहीं चल सकता है, जब वह व्यक्ति अपना वादा निभाने में असफल रहा हो हाईकोर्ट ने कहा कि पुरुष को तभी दोषी ठहराया जा सकता है जब यह साबित हो जाए कि शादी का वादा बिना किसी इरादे से किया गया हो क्योंकि यही एक मात्र कारण था जिसके कारण महिला ने शारीरिक संबंध बनाने की सहमति दी थी गुजरात हाईकोर्ट के न्यायधीश दिव्येश जोशी ने अपने आदेश में कहा कि उपर्युक्त प्रावधान का सरसरी तौर पर अवलोकन करने से यह स्पष्ट हो जाता है कि पूरे प्रावदान में किसी व्यक्ति द्वारा किसी महिला के साथ दुष्कर्म करने के बारे में एक शब्द भी नहीं है जो उसका प्रेमी है क्योंकि प्यार शब्द अपने आप में सहमति को दर्शाता है हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि धारा 376(2)(जे) उस महिला से संबंधित है जो सहमति देने में असमर्थ है, जिसका अर्थ है कि वह या कम उम्र की लड़की है जो उसके द्वारा दी जा रही सहमति के परिणामों को समझने के लिए पर्याप्त रूप से परिपक्व नहीं है, या मानसिक रूप से विकलांग लड़की या महिला है हाईकोर्ट ने कहा कि अब सवाल यह बनता है कि क्या आरोपी द्वारा महिला से शादी के वादे पर इतना भरोसा किया जा सकता है कि आरोपी को बलात्कार के अपराध में दोषी ठहराया जा सके इसका जवाब नहीं है हर मामले में पुरुष जहां किसी महिला से वादे के बावजूद शादी करने में विफल रहता है तो उसे बलात्कार के अपराध के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। हाईकोर्ट ने कहा कि पुरुष को तभी दोषी ठहराया जा सकता है जब यह साबित हो जाए कि बिना किसी इरादे के शादी का वादा किया गया था और यही एकमात्र कारण था कि महिला उसके साथ यौन संबंध बनाने के लिए सहमत हुई। झूठे वादे और वादे के उल्लंघन के बीच अंतर पर संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि झूठा वादा एक ऐसे वादे से संबंधित है जिसे आरोपी का शुरू से निभाने का कोई इरादा नहीं था। हाईकोर्ट ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे कि अगर कोई लड़का किसी से प्यार करता है, तो वह किसी दूसरे साथी के साथ संबंध बना सकता है अगर उसके परिवार वाले उसे किसी और से शादी करने के लिए मजबूर करते हैं तो इसका मतलब यह नहीं है कि वादा किया गया था हाईकोर्ट ने यह फैसला सुनाते हुए एक पुरुष के खिलाफ दर्ज दुष्कर्म का मामला खारिज कर दिया हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि हर मामले में जहां कोई पुरुष ऐसे वादे के बावजूद किसी महिला के साथ यौन संबंध बनाता है और शादी नहीं करता है तो वह आईपीसी की धारा 376 के तहत बलात्कार के अपराध का दोषी नहीं है।

नवरात्रि से पहले गुजरात में फिर बदलेगा मौसमः इन इलाकों में चार दिनों तक बारिश का अनुमान

अहमदाबाद (ईएमएस) चूंकि राज्य में मानसून के मौसम के अंत में मेघराजा ने ब्रेक ले लिया है, इसलिए मौसम विभाग ने 27 सितंबर तक हल्की से भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। दक्षिण गुजरात के नवसारी और वलसाड जिलों में 25 से 27 सितंबर तक भारी बारिश के कारण येलो अलर्ट घोषित किया गया है। वहीं मौसम विशेषज्ञ अंबालाल पटेल ने कहा है कि नवरात्रि से पहले वातावरण में बदलाव के कारण 27 से 30 सितंबर तक मध्य गुजरात और उत्तरी गुजरात इलाके में बारिश की संभावना है.

अंबालाल पटेल ने कहा कि, '25 सितंबर को सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात समेत उत्तरी गुजरात और मध्य गुजरात में 27 से 30 सितंबर तक बारिश होगी. जिसमें बनासकांठा, साबरकांठा, अहमदाबाद, आनंद, पंचमहल, वडोदरा, खेड़ा जिलों में बारिश का मौसम रहेगा। जबकि दक्षिण गुजरात के कुछ इलाकों में करीब 10 इंच और राज्य के अन्य हिस्सों में 4 इंच तक बारिश हो सकती है. इस बीच कच्छ और सौराष्ट्र के इलाकों में बारिश की बौछारें पड़ सकती हैं.

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, राज्य में 22 से 27 सितंबर तक सौराष्ट्र, मध्य गुजरात के कुछ हिस्सों और दक्षिण गुजरात के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होगी. जिसमें अमरेली, बोटाद, गिर सोमनाथ, भाव नगर, पंचमहल, दाहोद, वडोदरा, छोटा उदेपुर, भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, डांग जिलों के छिटपुट स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की गई है। जबकि 25 से 27 सितंबर तक दक्षिण गुजरात के नवसारी और वलसाड जिलों में भारी बारिश के कारण येलो अलर्ट घोषित किया गया है.

हाईस्पीड कॉरिडोर के अंतर्गत होगा अहमदाबाद-मेहसाणा-पालनपुर रोड का विकास

- मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने फ्लाईओवर और व्हीक्यूलर अंडरपास बनाने के लिए 263 करोड़ रुपए आवंटित किए

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद-मेहसाणा-पालनपुर रोड को हाई स्पीड कॉरिडोर के अंतर्गत विकसित करने के लिए 262.56 करोड़ रुपए आवंटित करने का महत्वपूर्ण निर्णय किया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने इस वर्ष के बजट में सुदृढ़ रोड इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षित सड़कों के माध्यम से परिवहन सुविधा को सुगम बनाने के लिए राज्य में भारी यातायात वाले हाईवे को लगभग 3100 करोड़ रुपए की लागत से हाई स्पीड कॉरिडोर के रूप में विकसित करने का प्रावधान किया है। इस प्रावधान के तहत वटामण-पीपळी, सूरत-सचिन-नवसारी, अहमदाबाद-डाकोर, भुज-भचाऊ, राजकोट-भावनगर और मेहसाणा-पालनपुर सहित 6 हाई स्पीड कॉरिडोर विकसित करने का काम शुरू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस उद्देश्य से 2023-24 में उत्तर गुजरात के मेहसाणा-ऊंझा-सिद्धपुर-पालनपुर हाईवे पर अलग-अलग 9 क्रॉसिंग स्थलों पर फ्लाईओवर और व्हीक्यूलर अंडरपास तथा 3 नदियों पर नए ब्रिज के निर्माण को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने इस सुदृढ़ रोड नेटवर्क की दिशा में एक कदम आगे बढ़ते हुए एक और फ्लाईओवर तथा दो व्हीक्यूलर अंडरपास के निर्माण के लिए 262.56 करोड़ रुपए के आवंटन को स्वीकृति दी है। इसके अंतर्गत, मेहसाणा शहर में राधनपुर सर्किल पर भारी यातायात के निवारण के लिए 136 करोड़ रुपए के खर्च से नया सिक्सलेन फ्लाईओवर ब्रिज, नागलपुर क्रॉस रोड पर दुर्घटना से बचने के लिए 54.40 करोड़ रुपए के अनुमानित खर्च से सिक्सलेन व्हीक्यूलर अंडरपास तथा उनावा में दोनों क्रॉस रोड पर 72.16 करोड़ रुपए के अनुमानित खर्च से नया सिक्सलेन व्हीक्यूलर अंडरपास बनाने का काम शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के इस निर्णय के चलते उत्तर गुजरात क्षेत्र के लोगों को अहमदाबाद के साथ और अधिक आसान, सुरक्षित एवं द्रुत रोड कनेक्टिविटी मिलेगी। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने हाल ही में अगस्त महीने में थराद-मेहसाणा-अहमदाबाद के नेशनल हाई स्पीड कॉरिडोर को मंजूरी दी है। भारतमाला परियोजना में एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के तहत थराद से अहमदाबाद तक 214 किमी लंबाई के सिक्सलेन नेशनल हाई स्पीड कॉरिडोर (एक्सप्रेस-वे) के लिए 10,534 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस नेशनल हाई स्पीड कॉरिडोर से जुड़े रोड नेटवर्क को और अधिक सुव्यवस्थित बनाने के लिए अहमदाबाद-मेहसाणा-पालनपुर रोड को हाई स्पीड कॉरिडोर के अंतर्गत विकसित करने के लिए 262.56 करोड़ रुपए के आवंटन को मंजूरी दी है।

पूर्व सांसद रामसिंह राठवा के भतीजे की गोली मारकर हत्या, हत्यारों की तलाश में जुटी पुलिस

छोटाउदेपुर (ईएमएस) ट्राइबल कोऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (ट्राइफेड) के चेयरमैन और पूर्व सांसद रामसिंह राठवा के भतीजे कुलदीप राठवा की बीती रात गोली मारकर हत्या से सनसनी फैल गई पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कर दोनों की तलाश तेज कर दी है

एक आरोपी रिटायर्ड आर्मीमेन है, जिसने पुरानी रंजिश में अपने साथी के साथ मिलकर कुलदीप राठवा की गोली मारकर हत्या की और मोटर साइकिल पर फरार हो गया जानकारी के मुताबिक पूर्व सांसद रामसिंह राठवा के छोटे भाई का बेटा कुलदीप राठवा बीती रात करीब पौने दस बजे के आसपास पत्नी के साथ अपने घर लौट रहा था उस वक्त मोटर साइकिल पर दो शख्सों में से एक ने कुलदीप पर फायरिंग की और फरार हो गए फायरिंग में गंभीर रूप से घायल कुलदीप को तुरंत एंबुलेंस 108 की मदद से क्वांट के सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने कुलदीप को मृत घोषित कर दिया क्वांट पुलिस थाने में राजपालसिंह जामसिंह राठवा ने अमला रेवजीभाई राठवा और शंकर सनजीभाई राठवा के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज करवाई है

शिकायत के मुताबिक घटना के वक्त अमला बाइक चला रहा था और शंकर राठवा ने कुलदीप राठवा पर फायरिंग की घटना को अंजाम देने के बाद दोनों मौके से फरार हो गए शिकायत में यह उल्लेख किया गया है कि भूतकाल में सरपंच के चुनाव को लेकर कुलदीप और शंकर राठवा के बीच झगड़ा हुआ था उस वक्त शंकर ने कुलदीप को जान से मार देने की धमकी दी थी शंकर राठवा पूर्व आर्मीमेन है पूर्व सांसद रामसिंह राठवा के भतीजे कुलदीप राठवा की बीती रात गोली मारकर हत्या से सनसनी फैल गइ है।

सूरत के कीम के पास ट्रेन पलटने की साजिश, रेलवे स्टाफ की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

सूरत,21 सितंबर,(प्रतिनिधि द्वारा)

यूपी लाइन ट्रैक से फिश प्लेट और चाबियां: उत्तर प्रदेश की तरह गुजरात मेंभी ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश का खुलासा हुआ है. हालांकि रेलवेस्टाफ की सतर्कता के चलतेकोईबड़ा हादसा नहीं हुआ. एक बड़ी आपदा घटित होने से पहले ही टल जाती है। पश्चिम रेलवे, वडोदरा डिवीजन ने शनिवार को एक वीडियो जारी कर कहा कि कुछ अज्ञात लोगों ने खिम रेलवे स्टेशन के पास अप लाइन ट्रैकसे फिश प्लेट और चाबियां खोलकर ट्रैक पर रख दी हैं, जिसके बाद ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई है। हालाँकि, जल्द ही लाइन पर ट्रेन सेवा शुरू कर दी गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में दो दिन पहले उत्तर प्रदेश के रामपुर में कुछ असामाजिक तत्वों ने रेलवे ट्रैक पर टेलीफोन तार लगाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला छह मीटर लंबा लोहे का पुराना खंभा रख दिया. हालांकि, देहरादून एक्सप्रेस ट्रेन के ड्राइवर द्वारा इमरजेंसी ब्रेक लगाने से हादसा टल गया।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह घटना रामपुर से करीब 43 किलोमीटर दूर रुद्रपुर सिटी रेलवे स्टेशन के पास हुई. रुद्रपुर सिटी सेक्शन के रेलवे इंजीनियर राजेंद्र कुमार की शिकायत पर रामपुर के राजनीतिक रेलवे पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

फर्रुखाबाद में भी 24 अगस्त कोइसीतरहकीएक घटना में कासगंज-फर्रुखाबाद रेलवे ट्रैक पर भटासा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर बड़े-बड़े लकड़ियाँ रख दी गई थीं, जिनसे टकराकर एक पैसेंजर ट्रेन रुक गईथी.समय-समय पर इस तरह कीघटनाओंको देखते हुए रेलवे स्टाफ के साथ जीआरपी, आरपीएफ और स्थानीय पुलिस भी सतर्क हो गई है।

राजकोट में नवरात्रि को लेकर नियमों में बदलाव

राजकोट,21 सितंबर

आगामी 3 अक्टूबर से नवरात्रि शुरू हो रही है, जिसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। फिर राजकोट में नवरात्रि के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सिस्टम द्वारा कुछ नियमों में बदलाव किया गया है। आयोजकों के लिए कुछ नए नियम जोड़े गए हैं.

नवरात्रि को लेकर नए नियमों का ऐलान प्रमोटरों को हलफनामे में नाम देना होगा।

एवं भवन विभाग से संरचना स्थिरता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। सुविधा और विद्युत उपकरण के लिए अधिकृत प्राधिकारी से प्रमाणपत्र प्राप्त करना आवश्यक है। नवरात्र मैदान में फूड स्टॉल के लिए फूड इंस्पेक्टर की मंजूरी जरूरी है। एंबुलेंस और डॉक्टर को मौके पर मौजूद रहना होगा. सुरक्षा भी अनिवार्य की जाए।

गौरतलबहैकिराजकोट में नवरात्रि उत्सव के दौरान आयोजित होने वाले गरबाकार्यक्रमोंमेंप्रवेश के लिए आधार कार्डअनिवार्य कर दिया गया है। इसके साथही गरबा कार्यक्रम के आयोजकों ने घोषणाकी कि कथित 'लव जिहाद' की चिंताओं के मद्देनजर कार्यक्रम में प्रवेश के लिए फोटो पहचान पत्र अनिवार्य कर दिया गया है।

ट्रक की चपेट में आए बाइक सवार दंपत्ति की मौत, 6 साल की बेटी का चमत्कारिक बचाव

सूरत (ईएमएस) शहर के उधना इलाके में हुए हादसे में दंपत्ति की मौत हो गई एक ट्रक की चपेट में आने से यह हादसा हुआ हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रक ड्राइवर को पकड़ पुलिस के हवाले कर दिया दंपत्ति की मौत से परिवार में शोक व्याप्त है जानकारी के मुताबिक सूरत के उधना क्षेत्र की गायत्रीनगर सोसायटी निवासी सचिन पटेल कस्टम विभाग में बतौर ड्राइवर सेवारत थे बीती रात सचिन पटेल अपनी पत्नी और 6 साल की बेटी के साथ बाइक पर घूमने निकले थे सचिन पटेल पत्नी और बेटी के साथ जब उधना के जीवनज्योत के निकट से गुजर रहे थे उस वक्त एक ट्रक ने सचिन पटेल की बाइक को टक्कर मार दी

इस घटना में पत्नी सारिका पटेल की गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई जबकि सचिन पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए सचिन पटेल को इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। दूसरी ओर हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रक के ड्राइवर को पकड़ लिया और उसे पुलिस को सौंप दिया पुलिस ने ट्रक के ड्राइवर को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की गौर करने वाली बात यह है कि इस घटना में 6 साल की बच्ची का चमत्कारिक बचाव हुआ

मुख्यमंत्री ने जैनाचार्य के 61वें जन्मोत्सव पर्व में उपस्थित रह आशीर्वचन प्राप्त किया

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को अहमदाबाद में जैनाचार्य श्री अजीतयश सूरीश्वरजी महाराज के 61वें जन्मोत्सव पर्व में रहकर उनका आशीर्वचन प्राप्त किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुदेव के दर्शन कर धन्यता का अनुभव किया और उनके मंगल प्रवचन का लाभ भी उठाया। अहमदाबाद के भावसार हॉल में आयोजित इस पावन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गुरुदेव श्री अजीतयश सूरीश्वरजी महाराज का गुरु पूजन और गुरु सम्मान किया। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने 'लब्धि प्रश्न' ग्रंथ का विमोचन किया और अपने करकमलों से पत्रिका लेखन कर गुरुदेव को समर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गौरवपूर्वक कहा कि गुरुदेव श्री अजीतयश सूरीश्वरजी महाराज के जन्मदिन पर उनका आशीर्वाद प्राप्त करना और जन्मोत्सव पर्व के उत्सव में भाग लेने का अवसर मिलना उनके लिए आनंद की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के अवसर पर वह भगवान के चरणों में यह प्रार्थना करते हैं कि गुरुदेव का स्वास्थ्य अच्छा रहे और हम सभी को उनका आशीर्वाद अविरत मिलता रहे। जन्मोत्सव पर्व में साबरमती के विधायक हर्षद पटेल सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग उपस्थित रहे।

सोनी परिवार के 9 सदस्यों की आत्महत्या की कोशिश, मुंबई के 4व्यापारी 3 करोड़ नहीं दे रहे थे

राजकोट (ईएमएस) शहर के केवडावाडी क्षेत्र में रहनेवाले सोनी परिवार के 9 सदस्यों के आत्महत्या के प्रयास से सनसनी फैल गई सोनी परिवार ने दीमक मारने की दवाई पीकर आत्महत्या पीकर आत्महत्या की कोशिश की थी तबियत बिगड़ने पर सभी लोगों को राजकोट के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है स्थानीय पुलिस ने परिवार समेत अन्य लोगों के बयान लेकर मामले की जांच शुरू की है जानकारी के मुताबिक राजकोट के केवडावाडी क्षेत्र में रहनेवाले सोनी परिवार के 9 सदस्यों ने दीमक मारने की दवाई पीकर आत्महत्या का प्रयास किया सोनी परिवार के सदस्यों की तबियत बिगडने पर सभी को राजकोट के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया घटना की खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी सोनी परिवार के एक सदस्य ने बताया कि हम ऑर्डर लेकर बाहर के व्यापारियों के लिए काम करते हैं मुंबई के 4 व्यापारियों को 22 कैरेट के आभूषण बनाकर के दिए थे आभूषण देने के 11 महीने बीत जाने के बावजूद मुंबई के व्यापारी बकाया रकम रु. 3 करोड़ नहीं दे रहे थे रुपए देना तो दूर व्यापारी धमकी भी देते और वादे भी करते थे तीन करोड़ रुपए नहीं मिलने पर परिवार ने सामूहिक आत्महत्या की कोशिश की थी सोनी परिवार के सदस्य ने मुंबई के मारवाडी व्यापारी विजय कैलाश रावल, प्रशांत और महेन्द्र समेत 4 लोगों के नाम बताए हैं पुलिस ने परिवार समेत अन्य लोगों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है

6 बार सांस बंद हुई, छह बार शाक, मरीज की बच गई जान

वापी (ईएमएस)। डॉक्टरों के सतत प्रयास से हार्ट अटैक के एक मरीज की जान बचा ली गई। 35 मिनट के अंदर 6 बार उसकी सांसे बंद हुई। डॉक्टर ने हौसला नहीं खोया छह बार सीपीआर और शाक देकर मरीज को बचाने का प्रयास किया, जो सफल रहा।

वापी के डॉक्टर हिमांशु पटेल ने बताया मरीज को समय पर प्रभावी ढंग से सीपीआर और शाक देने से मरीज की जान बचा ली गई। सीने में तेज दर्द और घुटन की शिकायत को लेकर छीबू भाई घोड़ी उम्र 55 वर्ष को अस्पताल लाया गया था। मरीज को हार्ट अटैक के साथ हार्ट फैलियोर का मरीज मानकर उपचार किया गया। 35 मिनट तक लगातार सीपीआर दिया गया। 6 बार हार्ट में शाक दिया गया। इसके बाद उनके हृदय की धड़कन में बढ़ने लगी और उन्हें मौत के मुंह से बचाया जा सका। छह बार किसी मरीज की सांस बंद हो जाए और उसके बाद पुनः आ जाए, यह बाद दुर्लभ होता है।

तिरुपति बालाजी प्रसादम मामले में अमूल की एन्ट्री, जानें क्यों दर्ज करवाई एफआईआर?

अहमदाबाद (ईएमएस) दक्षिण गुजरात के आंध्र प्रदेश स्थित विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसादम में अनिष्ट वस्तुओं की मिलावट के खुलासे से श्रद्धालुओं की आस्था आहत हुई है बता दें कि तिरुपति बालाजी मंदिर के लड्डुओं के घी में कथिततौर पर मछली के तेल और जानवरीकी चर्बी की मिलावट किए जाने के खुलासे से बड़ा विवाद पैदा हो गया है आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने प्रसादम के लड्डुओं में मिलावट का दावा किया था

प्रसादम के विवाद में अमूल का नाम घसीटे जाने पर अहमदाबाद पुलिस के साइबर क्राइम में संस्था को बदनाम करने और अफवाह फैलाने के लिए एफआईआर दर्ज करवाई गई है गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने बताया कि अमूल ब्रांड का कोई उत्पाद कभी भी तिरुपति बालाजी मंदिर के सप्लाई नहीं किया गया इसके बावजूद इस प्रसादम विवाद में अमूल का घसीटकर उसे बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है मेहता ने बताया कि अमूल उत्पाद उच्च गुणवत्ता वाले हैं और कठोर गुणवत्ता जांच से गुजरते हैं हम लोगों से इस तरह की गलत सूचनाओं से दूर रहने का आग्रह करते हैं तिरुपति बालाजी मंदिर में दिए जानेवाले प्रसाद में जानवर की चर्बी के उपयोग को लेकर विवाद के बीच अमूल 20 सितंबर को एक बयान जारी किया था जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया था कि उसने तिरुमाला देवस्थानम को कभी भी घी आपूर्ति नहीं की इस संदर्भ में अहमदाबाद साइबर क्राइम में कथित रूप से अमूल को बदनाम करने और यह अफवाह फैलाने के लिए चलाए जा रहे ''गलत सूचना अभियान'' के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है कि उन्होंने तिरुपति बालाजी मंदिर को कथित तौर पर जानवरों की चर्बी युक्त घी की आपूर्ति की थी जयेन मेहता ने कहा कि गलत सूचना अभियान को रोकने के लिए अहमदाबाद साइबर क्राइम में एफआईआर दर्ज करवाई गई है क्योंकि यह गंभीर मुद्दा है, उन 36 लाख परिवारों से जुड़ा है, जो अमूल से जुड़े हैं गौरतलब है कि तिरुपति बालाजी के प्रसाद में मिलने वाले लड्डू पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं इन्हें जीआई का टैग भी मिला है मंदिर प्रशासन हर रोज शुद्ध देशी घी के 3.50 लाख लड्डू तैयार करता है इन लड्डुओं को बनाने में शुद्ध बेसन की बूंदी, चीनी, काजू और शुद्ध देशी का उपयोग किया जाता है यही लड्डू तिरुपति बालाजी मंदिर का मुख्य प्रसाद है मंदिर के प्रसाद को बनाने के लिए हर साल करीब 5 लाख किलो और हर महीने 42000 किलो घी तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम की ओर से खरीदा जाता है इस घी की खरीदी के लिए मंदिर प्रशासन टेंडर जारी करता है

अहमदाबाद में ऑनर किलिंगः प्रेम विवाह की जिद करने वाली बेटी को परिवार वालों ने बहाने से ले जाकर मार डाला

अहमदाबाद,21 सितंबर

अहमदाबाद में ऑनर किलिंग का मामलाः एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है कि अहमदाबाद जिले के बकरोल बुजरंग गांव में रहने वाली एक 19 वर्षीय लड़की की उसके पिता और लड़की के चचेरे भाई ने गला घोंटकर हत्या कर दी, जो अपनी जाति के एक युवक से शादी करने की जिद कर रही थी। कनभा पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर मृतक लड़की के पिता, चचेरे भाई, दो चचेरे भाइयों समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. शुरुआती जांच के मुताबिक हालोल के पास अनगढ़ गांव के पास युवती की हत्या कर शव को ठिकाने लगाने के लिए रातों-रात अपने ही गांव के श्मशान में अंतिम संस्कार कर दिया. पुलिस जांच में पता चला है कि लड़की की मौत की जानकारी परिवार की महिलाओं को भी है.

इस पूरी घटना का विवरण इस प्रकार है कि कनभा थाना क्षेत्र के बकरोल बुजरंग गांव की रहने वाली 19 वर्षीय मानसी अरविंद सिंह सोलंकी की 11 सितंबर को लापता होने की सूचना मिली थी। मामले की जांच कर रहे कानाभा पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर एनएन पारगी को जानकारी मिली कि 6 सितंबर को रात में श्मशान घाट में एक व्यक्ति का अंतिम संस्कार किया गया था. लेकिन, गांव में किसी व्यक्ति की मौत नहीं हुई. तो पुलिस ने शक के आधार पर श्मशान घाट से हड्डियां और कुछ अवशेष मंगवाए और फोरेंसिक एक्सपर्ट की मदद से जांच की तो रिपोर्ट आई कि वहां एक लड़की की लाश है.

उधर, मानसी सोलंकी लापता हो गई। इसलिए उसके परिजनों के बयान लिए गए। जिसमें कुछ संदिग्ध विरोधाभास पाए गए। यह भी पता चला कि मृतक लड़की का अपने ही गांव के हितेश सिंह सोनलकी से प्रेम प्रसंग चल रहा था. इसको लेकर मानसी के पिता ने धमकी भी दी थी. फिर पुलिस ने शक के आधार पर लपत्ता मानसी के पिता अरविंद सिंह और चाचा गजेंद्र सिंह सोलंकी समेत लोगों से कड़ी पूछताछ की.

इस बारे में जानकारी देते हुए अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस प्रमुख ओम प्रकाश जाट ने कहा कि चूंकि मानसी और हितेश सिंह एक ही गोत्र के हैं, इसलिए अरविंद सिंह को सामाजिक अपमान का डर था. इसलिए इस रिश्ते को इजाजत नहीं थी. हालाँकि, मानसी ने हितेश सिंह से शादी करने की जिद की। इसलिए अरविंद सिंह ने अपने भतीजे गजेंद्र सिंह से बात की और तय किया कि वह आखिरी बार मानसी को समझाने की कोशिश करेंगे. यदि वह अब भी विश्वास न करे तो उसे मार डाला जाये। तो पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक, अरविंद सिंह ने अपनी बेटी काजल को 5 सितंबर को हालोल के पास अनगढ़ में माताजी की मन्नत पूरी करने के लिए बुलाया. इस के बाद तय योजना के मुताबिक अरविंद सिंह, गजेंद्र सिंह मानसी और काजल को ले कर मंतापुरी जाने के लिए निकल पड़े. वहीं दूसरी ओर गजेंद्र सिंह भरत चुनारा नामक व्यक्ति को कार लेकर अनगढ़ गांव बुलाया गया. ताकि मानसी के शव का अंतिम संस्कार किया जा सके।

दोपहर में मानसी और काजल को साथ ले जाने के बाद अरविंद सिंह ने अंधेरा होने का इंतजार किया और रात करीब 8:00 बजे वडोदरा के पास नर्मदा नहर के पास कार रोककर गजेंद्र सिंह और अरविंद सिंह ने मानसी को कार से बाहर निकाला और नहर में फेंक दिया. . लेकिन, इसी समय भरत चुनारा और उसके साथ कार में सवार नरेश नाम का व्यक्ति दौड़कर आये और मानसी को नहर से बाहर खींच लिया. लेकिन, इस समय गजेंद्रसिंह और अरविंदसिंह ने मानसी को मारने का फैसला किया, इसलिए नरेश को धमकी दी गई और किनारे कर दिया गया। इसके बाद मानसी को उसके भाई गजेंद्र सिंह ने पकड़ लिया और उसके पिता ने उसका तब तक गला घोंट दिया जब तक उसकी सांसें नहीं रुक गईं।

घटना के वक्त मानसी की बहन काजल कार में थी। मानसी की हत्या करने के बाद अरविंद सिंह ने मानसी के शव को कार की पिछली सीट पर रख दिया और वहीं बैठ गया. जब काजल को आगे की सीट पर बिठाया गया और चुप रहने की धमकी दी गई. इसी बीच गजेंद्र सिंह ने भरत और नरेश को कार लेकर वापस आने को कहा. लेकिन जब उनकी कार कीचड़ में फंस गई तो गजेंद्र ने भरत और नरेश को फंसी हुई कार को अपनी कार में ले जाने के लिए कहा।

फिर भरत, नरेश और अरविंद सिंह ने मानसी के शव को पिछली सीट पर अपनी गोद में रख लिया और काजल के गांव के पास कार खड़ी कर उसे उतार दिया. उधर, मानसी की हत्या के बाद अरविंद सिंह अपने भाई पोपट सिंह नटवर सिंह के संपर्क में था. ताकि मानसी के शव का अंतिम संस्कार किया जा सके।

लेकिन बाकरोल श्मशान घाट जाने वाले रास्ते पर पानी भर जाने के कारण गजेंद्र सिंह, अरविंद सिंह, नटवरसिंह, पोपटसिंह और उसका बेटा राजदीप सिंह डाला जीप में लकड़ी, डीजल और चीनी मंगाकर श्मशान घाट गए और उसमें मानसी का शव रखकर वापस लौट आए। मानसी के शव को जलाने के बाद. उन्होंने घर की महिलाओं को भी इस मामले में चुप रहने की धमकी दी. इस प्रकार पुलिस ने मानसी के लापता होने से लेकर हत्या तक बेटी के पिता, चचेरे भाई और शव को छिपाने में मदद करने वाले दो चचेरे भाई, चाचा और भाई को गिरफ्तार कर मुकदमा चलाया है।

स्कूल में शिक्षक ने छात्रा से की शारीरिक छेड़छाड़, गुस्साए लोगों ने हाइवे पर लगाया जाम

बोटाद (ईएमएस) शिक्षा क्षेत्र के शर्मसार करनेवाली एक और घटना सामने आई है बोटाद जिले की प्राथमिक स्कूल के शिक्षक ने एक छात्रा को अपनी ऑफीस में बुलाकर उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में जबर्दस्त आक्रोश भड़क उठा गुस्साए लोगों ने हाइवे पर चक्काजाम कर आरोपी शिक्षक के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करने की मांग की जानकारी के मुताबिक आनंद कुमार जानी बोटाद की गढ़ड़ा तहसील की ढसा प्राइमरी स्कूल में शिक्षक के रूप में काम करता है।

आरोप के मुताबिक आनंदकुमार जानी ने छात्रा को स्कूल के ऑफिस में बुलाकर उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ की आनंदकुमार की इस शर्मनाक हरकत का किसी ने वीडियो बना लिया और उसे वायरल कर दिया वीडियो सामने आने के बाद लोगों में आक्रोश भड़क उठा इस मामले में छात्र के माता-पिता ने ढसा थाने में शिकायत दर्ज करायी है अभिभावक की शिकायत के आधार पर बोटाद पुलिस ने शिक्षक आनंद कुमार जानी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है घटना को लेकर गांव की महिलाओं ने शिक्षक के खिलाफ प्रदर्शन किया इतना ही नहीं भावनगर-राजकोट हाइवे रोड पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ लोग उतर आए चक्काजाम कर दिया लोगों की मांग है कि आरोपी शिक्षक के खिलाफ ऐसी कार्यवाही की जाए जो समाज में एक नजीर बने

वडोदरा जिले में बारिश और बाढ़ के कारण गड्ढों की मरम्मत का काम तीन दिन में पूरा हो जाएगा

वड़ोदरा,21 सितंबर

वडोदरा जिले में बाढ़ के प्रकोप के कारण सड़कों पर बने गड्ढों को भरने का चल रहा काम अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। जिले में यह कार्य तीन दिन में पूरा कर लिया जाएगा। वर्तमान में पथ एवं भवन विभाग द्वारा लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है. सड़क एवं भवन विभाग (राज्य) के वडोदरा ग्रामीण कार्यालय के अंतर्गत कुल 58 सड़कें हैं।

इसमें 41 राज्य राजमार्ग, 15 प्रमुख जिला सड़कें और 3 अन्य जिला सड़कें हैं। इन मार्गों की कुल लंबाई 920 किमी है। मानसून के दौरान भारी बारिश के कारण इन सड़कों पर जगह-जगह पानी से भरे गड्ढे हो गए। यहां तक कि वडोदरा जिले में भी, सरकार से गड्ढे को तुरंत ठीक करने के निर्देश मिलने के बाद सड़क और भवन विभाग ने सड़कों की मरम्मत के लिए तत्काल काम किया।

कार्यपालक अभियंता ने बताया कि अब तक लगभग 820 किमी लंबाई की सड़कों पर पड़े गड्ढे भर दिये गये हैं. उस अनुपात को देखें तो 90 फीसदी काम पूरा हो चुका है. अब करीब पांच सड़कें ही गड्ढे भरने के लिए बची हैं। दोष दायित्व अ